पटना ●रविवार , 23 फरवरी 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 6 , अंकः48 www. bordernewsmirror@gmail.com ☎ 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

प्रशांत किशोर के आगमन को लेकर... 3 www. bordernewsmirror.com रेजिना कैसांद्रा पंजाबी लड़की... 7

चैंपियंस ट्रॉफी में लाहौर में बजा भारत का राष्ट्रगान

ऑस्ट्रेलिया व इंग्लैंड मैच में दिखा हैरतअंगेज नजारा

लाहौर (एजेंसी)। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच मैच से पहले एक बड़ी गड़बड़ हो गई। ऑस्ट्रेलियाई राष्ट्रगान की जगह गलती

से भारतीय राष्ट्रगान बज गया। यह घटना पाकिस्तान के लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में हुई। आयोजकों ने जल्द ही अपनी गलती सुधार ली, लेकिन यह घटना सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। भारतीय टीम इस टूर्नामेंट में पाकिस्तान में कोई मैच नहीं खेल रही है, क्योंकि राजनीतिक तनाव के कारण वो अपने मैच दुबई में खेल रही है। यह गलती इसलिए भी हैरान करने वाली थी क्योंकि भारतीय टीम इस पूरे टूर्नामेंट में पाकिस्तान में कोई मैच नहीं खेल रही है। ऐसे में आयोजकों से इस तरह की गलती होना वाकई अजीब था। भारतीय राष्ट्रगान कुछ सेकंड के लिए ही बजा था, उसके बाद उसे रोक दिया गया और सही राष्ट्रगान बजाया गया। यह मैच ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड दोनों के लिए टूर्नामेंट का पहला मैच था। ग्रुप का यह दूसरा मुकाबला था, और दोनों टीमें टूर्नामेंट की शुरुआत जीत के साथ करना चाहती थीं। ऑस्ट्रेलियाई टीम इस टूर्नामेंट में कई चुनौतियों का सामना कर रही है। मिचेल मार्श, मिचेल स्टार्क और पैट कमिंस जैसे प्रमुख खिलाड़ी चोटिल हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी में भारत-पाकिस्तान का मुकाबला आज

दुबई, एजेंसी। भारत और पाकिस्तान के बीच कल रविवार को दुबई में चैम्पियंस ट्रॉफी का महामुकाबला होना है। इस बहुप्रतीक्षित मैच के लिए पाकिस्तानी क्रिकेट टीम पूरी तरह से तैयार है क्योंकि एक हार से उसका पूरा गणित बिगड़ जाएगा। इस थ्रिलर मैच से पहले पड़ोसी देश ने दुबई में स्पेशल तैयारी की है। चैम्पियंस ट्रॉफी में न्यूजीलैंड से पहला मैच गंवाने के बाद अब पाकिस्तान टीम भारत के खिलाफ 23 फरवरी को दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेलने के लिए उतरेगी। वहीं भारतीय टीम ने चैम्पियंस ट्रॉफी के पहले लीग मुकाबले में बांग्लादेश को पटखनी दी। दोनों देशों के बीच होने वाले इस हाईप्रोफाइल मुकाबले से पहले पाकिस्तान ने खास तैयारी की। दरअसल, पाकिस्तान के लिए यह मैच एक तरह से करो या मरो जैसा होगा क्योंकि अगर वो भारतीय टीम से हारते हैं तो उनके लिए टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचना बेहद मुश्किल हो जाएगा। न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरुआती मैच में पाकिस्तानी टीम को 60 रन से हार मिली थी। वैसे पाकिस्तानी टीम ने शुक्रवार को एक एक्सटेंडेड प्रैक्टिससेशन आयोजित किया, यानी अपनी तैयारियों का सत्र बढ़ा दिया। पाकिस्तानी टीम ने दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में तीन घंटे तक अभ्यास किया, जिसमें कप्तान मोहम्मद रिजवान को छोड़कर सभी बल्लेबाजों ने 20 मिनट के एक्सटेंडेट सेशन में हिस्सा लिया। इस दौरान कप्तान बाबर आजम ने रविवार (23 फरवरी) को भारत के खिलाफ महामुकाबले से पहले कई गेंदबाजों का सामना किया। बाबर आजम ने सभी गेंदबाजों का कम से कम दो-दो ओवर तक सामना किया। पूर्व कप्तान ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 90 गेंदों पर 64 रन की पारी खेली थी।

मॉरीशस के राष्ट्रीय दिवस पर चीफ गेस्ट होंगे मोदी

● घोषणा होते ही तालियों से गूंज उठी वहां की संसद

पोर्टलुई (एजेंसी)। मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचन्द्र रामगुलाम ने शुक्रवार को इस बात की घोषणा की है कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मॉरीशस के 57वें राष्ट्रीय दिवस समारोह में चीफ गोस्ट के तौर पर शामिल होंगे। पीएम मोदी 11-12 मार्च को पोर्ट लुईस का दौरा करने वाले हैं। उन्होंने संसद में इसका ऐलान किया। पूरे सदन ने

तालियों की गड़गड़ाहट से इस फैसले का स्वागत किया। नवीनचन्द्र रामगुलाम ने संसद में इस बारे में जानकारी देते हुए कहा कि मोदी के लिए ऐसे कार्यक्रम में भाग लेना विशेष सम्मान की बात है, खासकर जब उनका शेड्यूल काफी व्यस्त है। हाल ही में वह पेरिस और अमेरिका में अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में शामिल हुए थे। रामगुलाम ने कहा, मुझे यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि मेरे निमंत्रण पर रत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमारे राष्ट्रीय दिवस समारोह के लिए अतिथि विशेष बनने के लिए सहमति दी है। यह हमारे देश के लिए एक सम्मान की बात है कि हम इस प्रतिष्ठित व्यक्तित्व की मेजबानी कर रहे हैं। वह अपनी अत्यधिक व्यस्तता और पेरिस और अमेरिका के हालिया दौरे के बावजूद इस सम्मान को हमें दे रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, पीएम मोदी का यह दौरा भारत और मॉरीशस के बीच मजबूत और स्थिर संबंधों का प्रतीक है।

ओटीटी पर अश्लील कंटेंट दिखाने वाले सावधान!

नया कानून लाने की तैयारी में सरकार, कसेगा शिकंजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अश्लील और हिंसक कंटेंट दिखाने को लेकर बहस गरमाई हुई है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के दुरुपयोग को लेकर चिंता जताई जा रही है। इस बीच, सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने सभी प्रकार के मीडिया से संबंधित मौजूदा कानूनों की समीक्षा शुरू कर दी है। संसद सदस्यों और राष्ट्रीय महिला आयोग जैसी संस्थाओं की ओर से यह मुद्दा उठाया गया।

साथ ही, आम लोगों ने ऐसी सामग्री पर अपनी चिंता जताई। कई हाई कोर्ट्स और सुप्रीम कोर्ट में भी इस मसले पर चर्चा हो चुकी है। अब मंत्रालय ऐसे घटनाक्रमों पर काफी फोकस कर रहा है। मौजूदा वैधानिक प्रावधानों और नए कानूनी ढांचे की जरूरत बताई जा रही है। वैसे तो मीडिया कंटेंट को रेगुलेट करने के लिए कुछ कानूनी प्रावधान पहले मौजूद हैं। मगर, अब इन्हें और ज्यादा सख्त व प्रभावी बनाने की मांग उठी है। ऐसे में मंत्रालय मौजूदा कानूनी ढांचे की जांच कर रहा है और चिंताओं को दूर करने के लिए नया कानून लाने की तैयारी है। रिपोर्ट में बताया गया कि फिलहाल इस मामले को लेकर गहराई से विचार-विमर्श किया जा रहा है। इसके बाद एक नोट समिति के पास भेजा जाएगा। केन्द्र ने निषिद्ध सामग्री प्रसारित करने से परहेज करने को कहा था।

उत्तराखंड में फॉरेस्ट फंड से खरीदे गए आई फोन-लैपटॉप

कैग की रिपोर्ट में चौंकाने वाले खुलासे, विपक्ष हुआ हमलावर

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड बजट सत्र 2025 के दौरान नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक यानी सीएजी की रिपोर्ट पेश की गई। केंद्रीय ऑडिट में बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितताएं पाई गई हैं। इसमें वन संरक्षण के लिए निर्धारित धन का इस्तेमाल आईफोन और ऑफिस सजावट के सामान खरीदने के अलावा अन्य नियमों का उल्लंघन भी शामिल है। 2022 के रिकॉर्ड की जांच करने वाली इस

रिपोर्ट में कई सारे उदाहरण सामने आए हैं। इसमें फारेस्ट के फंड को वनीकरण से संबंधित कामों पर खर्च की बाजय अन्य मदों पर खर्च किया गया। टैक्स पेमेंट के लिए जीका प्रोजेक्ट को 56.97 लाख रुपये रिडायरेक्ट किए गए। यह पैसा इसके लिए नहीं था। डीएफओ अल्मोड़ा ऑफिस में बिना किसी मंजूरी के सोलर फेंसिंग पर 13.51 लाख खर्च किए गए। विभाग को फंड मिलने के बाद उसका उपयोग एक साल के अंदर करना होता है, लेकिन 37 मामलों में इस फंड का इस्तेमाल करने में 8 साल लगा दिए गए। केन्द्र ने रोड लाइन के लिए औपचारिक सहमति दी थी।

हरियाणा के सीएम की सुरक्षा में चूक पर बवाल

सवालों में घिरी चंडीगढ़ पुलिस, 15 मिनट तक खड़ा रहा काफिला

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी की सुरक्षा में चूक को लेकर बवाल मच गया है। चंडीगढ़ पुलिस सवालों में घिर गई है। हरियाणा सरकार ने भी चंडीगढ़ पुलिस के आगे कड़ा एतराज जताया है। हरियाणा सरकार की ओर से कहा गया कि सीएम सैनी के हरियाणा निवास जाते वक्त रूट क्लियर कराना चंडीगढ़ पुलिस की जिम्मेदारी थी। इसके बावजूद जब वे संत कबीर कुटीर से हरियाणा निवास के लिए आए तो पंजाब भवन के बाहर गेट बंद था। इस गेट की चाबी पंजाब सरकार की तरफ से लगाए गार्ड के पास थी। सैनी ने शुक्रवार को कहा कि पंजाब भवन का गेट बंद होना गलत था। गेट बंद होने से बुधवार की रात सीएम नायब सैनी का काफिला 15 मिनट तक हाई सेंसिटिव जोन में रोड पर खड़ा रहा। इस दौरान केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर भी उनके साथ थे। मुख्यमंत्री नायब सैनी और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल का काफिला आधी रात को जिस जगह रुका, वहां से हरियाणा और पंजाब सीएम हाउस, दोनों राज्यों की विधानसभा, सचिवालय और पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट भी कुछ ही दूरी पर हैं। इसके अलावा पास में ही एमएलए हॉस्टल भी हैं। दोनों नेताओं को जेड प्लस सिक्युरिटी मिली है। इसके बावजूद उनकी मूवमेंट के लिए प्रोटोकॉल के तहत इंतजाम नहीं किए। सीएम नायब सैनी ने कहा कि पंजाब भवन वाला गेट बंद था। वह गेट बंद नहीं होना चाहिए।

'एक देश, एक चुनाव' के पक्ष में बड़े अभियान की है तैयारी

कैसे बने जनता का मूड, बीजेपी ने तैयार कर लिया प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद की संयुक्त समिति की ओर से 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' पर 2 विधेयकों की जांच जारी है। इस बीच, सत्तारूढ़ भाजपा ने एक साथ चुनाव कराने को लेकर देश भर अभियान शुरू कर किया है जिसका मकसद इसके पक्ष में जनभावना तैयार करना है। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में दिल्ली में भाजपा नेताओं की बीते महीने बैठक हुई थी, जहां पार्टी के जनसंपर्क कार्यक्रम पर चर्चा हुई। यह तय किया गया कि विभिन्न सामाजिक संगठनों, गैर सरकारी संगठनों, शिक्षाविदों, वकीलों और व्यापारिक समूहों से बातचीत की जाएगी।

संवाद कार्यक्रम आयोजित होंगे, जिनमें भाषण देने के लिए बीजेपी नेताओं को भेजा जाएगा। इतना ही नहीं, आम लोगों से इस पर अपनी राय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को भेजने की अपील की जाएगी। आखिर भाजपा के इस राष्ट्रव्यापी अभियान का और क्या उद्देश्य है। इसके जवाब में बीजेपी के सीनियर नेता ने कहा, हमारे पास केंद्र और कई राज्यों में बहुमत है। ऐसे में विधेयक को मंजूरी दिलाने में कोई बाधा नहीं आनी चाहिए। मगर, हम एक राष्ट्र, एक चुनाव को जन आंदोलन बनाना चाहते हैं। विधेयकों की जांच के लिए शीतकालीन सत्र के दौरान उन्हें संयुक्त संसदीय पैनल को भेजा गया था, जिसकी तीसरी बैठक 25 फरवरी को होनी है।

राष्ट्रीय स्तर पर इस अभियान के देखरेख की जिम्मेदारी शिवराज सिंह चौहान, पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सुनील बंसल और राष्ट्रीय सचिव ओम प्रकाश धनखड़ को सौंपी गई है। बिहार और मेघालय के पूर्व राज्यपाल फागू चौहान के नेतृत्व में पार्टी नेताओं की टीम बनाई गई है जिसके साथ धनखड़ की मीटिंग होने वाली है।

पीएम के प्रिंसिपल सेक्रेटरी बनाए गए शक्तिकांत दास

6 साल रिजर्व बैंक के गवर्नर रहे, दिसंबर में रिटायर हुए, 75 दिन में पीएमओ पहुंचे

नई दिल्ली (एजेंसी)। 1 अप्रैल 2024 को मुंबई में आरबीआई के 90 साल पूरे होने के अवसर पर आयोजित एक समारोह के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने स्मृति चिन्ह भेंट किया था। आरबीआई के पूर्व गवर्नर शक्तिकांत दास को शनिवार को भारत के प्रधानमंत्री

का प्रिंसिपल सेक्रेटरी नियुक्त किया गया। केंद्र सरकार में अपॉइंटमेंट कमेटी की तरफ से जारी नोटिफिकेशन में कहा गया कि प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव-2 के रूप में शक्तिकांत दास की नियुक्ति को मंजूरी दी गई है। उनकी नियुक्ति प्रधानमंत्री के कार्यकाल के साथ या अगले आदेश तक जारी रहेगी। आरबीआई के पूर्व गवर्नर शक्तिकांत दास का कार्यकाल 10 दिसंबर को समाप्त हुआ था।

महाकुंभ में 7 घंटे से जाम में फंसी गाड़ियां

● आधे घंटे की दूरी 4 घंटे में हो रही है तय, भारी भीड़ ● अब तक 60 करोड़ लोगों ने किया स्नान, 4 दिन शेष

प्रयागराज (एजेंसी)। महाकुंभ का शनिवार को 41वां दिन था। मेला खत्म होने में 4 दिन और बचे हैं। आखिरी वीकेंड पर श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ गई है। मेला क्षेत्र के बाहरी हिस्सों में भीषण जाम लगा हैं। यमुना नदी पर बने ब्रिज की ओर जाने वाला रास्ता करीब 7 घंटे से जाम है। लखनऊ से आई एक महिला ने बताया- शहर के बाहर बस ने उतार दिया। इसके बाद शटल बस से मेले के लिए रवाना हुई। बस में खड़े होकर आना पड़ा। आधे घंटे की दूरी तय करने में 4 घंटे लगे। प्रयागराज के सभी 7 एंट्री पॉइंट्स पर बाहर से आने वाली गाड़ियों को रोक दिया जा रहा है। शहर से बाहर बनी पार्किंग में गाड़ी पार्क करनी पड़ रही। यहां से संगम की दूरी 10 से 12 किमी है। एंट्री पॉइंट्स पर रोके गए श्रद्धालुओं को कम से कम 10-12 किमी तक पैदल चलना पड़ रहा है। हालांकि, उनकी सुविधा के लिए प्रशासन शटल बसें, ई-रिक्शा, ऑटो, ठेले को चलने दे रहा है। हजारों की संख्या में बाइक वाले भी सवारी ढो रहे हैं लेकिन, ये सभी मनमाना किराया वसूल रहे हैं। ऑटो और ई-रिक्शा वाले एक किमी के 100 रुपए तक

वसूल रहे तो बाइक वाले 50 रुपए मनमाना किराया वसूल रहे हैं। ऐसे में लोगों को एंट्री पॉइंट्स से मेले तक जाने के लिए 500 रुपए से लेकर 1000 रुपए तक देने पड़ रहे हैं। दिल्ली से प्रयागराज की फ्लाइट का किराया इस समय 38 से 42 हजार रुपए के बीच बता रहा है। हालांकि, 26 फरवरी के बाद यह किराया सिर्फ 3 हजार रुपए दिख रहा है। ऐसे में इस समय किराया 12 गुना तक महंगा है। वहीं, सीएम योगी नौ घंटे महाकुंभ में रहे। महाशिवरात्रि स्नान की तैयारियां देखी। केंद्रीय मंत्री और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भी संगम स्नान किया। शनिवार 4 बजे तक 1.11 करोड़ श्रद्धालुओं ने संगम स्नान किया। 13 जनवरी से अब तक करीब 60.02 करोड़ श्रद्धालु स्नान कर चुके हैं। केरल के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने संगम त्रिवेणी में स्नान किया। इसके बाद उन्होंने कहा- यहां आकर एक अलग की अनुभूति हुई है, एक अलग सा अनुभव है। ये आस्था का कुंभ है और देश की राष्ट्रीय एकात्मता का ये कुंभ है। कल संडे की छुट्टी है। ऐसे में महाकुंभ में भीड़ और बढ़ने की संभावना है।

योगी ने गोला गोकर्णनाथ कॉरिडोर की रखी आधारशिला

लखीमपुर खीरी में स्थापित होगा पर्यावरण अनुकूल औद्योगिक संयंत्र

लखीमपुर खीरी (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कई विकास योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। छोटी काशी के रूप में विख्यात गोला गोकर्णनाथ मंदिर कॉरिडोर का उद्घाटन करने पहुंचे सीएम योगी ने विपक्ष पर करारा हमला बोला। कुंभ मेला को लेकर उठ रहे सवालों पर करारा तंज कसा। सीएम ने कुंभी में देश के पहले बायो पॉलिमर संयंत्र का शिलान्यास किया। सीएम योगी ने कहा कि एक ओर पूरी दुनिया प्रयागराज महाकुंभ में भागीदार बन रही है, वहीं आज कुंभी में ही आपने महाकुंभ रच दिया है। सीएम योगी ने कहा कि मुझे यहां आना 11 बजे था, लेकिन दो घंटे पहले 9 बजे ही आ गया। गोला के बाद प्रयागराज जाना है। लोगों की भीड़ देखकर सीएम योगी ने कहा कि यह दृश्य अपने आप में अद्भुत है। कुंभी में निवेश का महाकुंभ नजर आ रहा है। 2850 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला प्लांट अपनी तरह का यह पहला निवेश है। इसके लिए बलरामपुर चीनी मिल लिमिटेड और लखीमपुर खीरी के लोगों को बधाई। सीएम योगी ने छोटी काशी यानी गोला गोकर्णनाथ पहुंचकर पूजा-अर्चना भी की। बलरामपुर चीनी मिल लिमिटेड की ओर से यह संयंत्र 2850 करोड़ रुपये की लागत से बनाया जा रहा है। यह जैविक तरीके से पॉलिमर उत्पादन का कार्य करेगा। इससे पर्यावरण के अनुकूल औद्योगिक क्रांति को बढ़ावा मिलेगा। कुंभी के बाद सीएम योगी ने गोला गोकर्णनाथ पहुंचकर शिव मंदिर कॉरिडोर का शिलान्यास किया। इसके अलावा, 1620 करोड़ रुपये की 373 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया।

टनल हादसा, 6 मजदूर फंसे

एंट्री पॉइंट से 14 किमी दूर 3 मीटर हिस्सा गिरा

4 दिन पहले काम शुरू हुआ था, बढ़ गई मुश्किल

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना के नागरकुरनूल जिले में शनिवार सुबह श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल टनल प्रोजेक्ट का एक हिस्सा गिर गया। जिसमें 6 मजदूर फंस गए। हादसा सुरंग के एंट्री पॉइंट से 14 किमी अंदर हुआ। अधिकारियों के मुताबिक, छत का करीब तीन मीटर हिस्सा ढहा है। टनल का काम काफी समय से रुका हुआ था। चार दिन पहले ही दोबारा काम शुरू किया गया। नागरकुरनूल के एसपी वैभव गायकवाड़ ने बताया कि सिंचाई परियोजना का काम करने वाली कंपनी की 2 रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंच गई हैं। कंपनी के मुताबिक, घटना के दौरान 50 मजदूर घटनास्थल पर मौजूद थे। इनमें से 43 सुरक्षित बाहर आ गए हैं। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने घटना पर दुख जताया है। मुख्यमंत्री कार्यालय के मुताबिक, उन्होंने जिला कलेक्टर, फायर ब्रिगेड और सिंचाई विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचकर राहत बचाव कार्य में लगे हुए हैं। मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने एक बयान में कहा, यह दुर्घटना श्रीशैलम से देवरकोंडा जाने वाली सुरंग में हुई है।

संक्षिप्त समाचार

भोजपुर में बीच सड़क पर सीएनजी कार में लगी आग

● ग्रामीणों ने कार सवार 7 लोगों को निकाला, समस्तीपुर से कुंभ स्नान के लिए जा रहे थे सभी

आरा(भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर में बीच सड़क पर सीएनजी कार में आग लग गई। कार में सवार तीन महिलाएं सहित 7 लोग सवार थे। सभी ने ग्रामीणों की मदद से भागकर अपनी जान बचाई। आग लगने के बाद कार में ब्लास्ट भी हो रहा था। इसका वीडियो भी सामने आया है। घटना जिले के आरा-मोहनिया मुख्य मार्ग के बेहरा गांव के पास की है। सभी कार सवार समस्तीपुर के निवासी हैं, वो प्रयागराज जा रहे थे। घटना की सूचना पर उदवंतनगर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची, लेकिन तब तक कार जलकर राख हो चुकी थी। प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि चलती ब्रेजा कार में अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। कार में तीन महिलाएं समेत 7 लोग सवार थे। कार में आग लगने पर गांव के लोग पहुंचे, लेकिन आग को नहीं बुझा सके और देखते ही देखते गाड़ी जलकर राख हो गई। घटना की सूचना मिलने के बाद उदवंतनगर थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। तब तक कार जलकर राख हो चुकी थी। बताया जा रहा है कि समस्तीपुर जिले के रहने वाले एक परिवार के लोग कुंभ स्नान के लिए प्रयागराज जा रहे थे।

शॉर्ट सर्किट से लगी आग, 5 दुकान राख

● सहरसा में 8 लाख का नुकसान, महिषी थाना क्षेत्र की घटना

सहरसा, एजेंसी। सहरसा जिले के महिषी थाना क्षेत्र के राजनपुर बाजार में बिजली के शॉर्ट सर्किट से भीषण आग लग गई। इससे पांच दुकानों और एक मदरसे में लाखों रुपए की क्षति हुई। आग लगने के बाद स्थानीय ग्रामीणों और फायर ब्रिगेड की टीम ने कड़ी मशक्कत कर करीब एक घंटे में आग पर काबू पाया। स्थानीय निवासी मोहम्मद मीर रिजवान ने बताया कि आग अचानक लगी और तेजी से फैल गई। इससे गौतम कुमार भगत की किराना दुकान, रणजीत सिंह की खाद-बीज की दुकान, संतोष कुमार की बर्तन की दुकान, रामबाबू की कपड़ा दुकान, मोहम्मद आरिफ की अचार की दुकान और मोहम्मद सरफराज के मदरसे में रखा सामान जलकर राख हो गया। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार, इस अग्निकांड में लगभग आठ लाख रुपए का नुकसान हुआ है। आग लगते ही स्थानीय लोगों ने बिजली विभाग को फोन कर बिजली आपूर्ति बंद करवाई और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। इसके बाद ग्रामीणों ने आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। सूचना मिलते ही महिषी थानाध्यक्ष जय शंकर कुमार के नेतृत्व में अग्निशमन दल की एक गाड़ी मौके पर पहुंची और आग बुझाने में जुट गई। करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि फायर ब्रिगेड जल्द नहीं पहुंचती, तो नुकसान और अधिक हो सकता था। हालांकि, राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। महिषी प्रखंड के प्रशासन ने प्रभावित दुकानदारों और मदरसा प्रबंधन को हरसंभव सहायता देने का आश्वासन दिया है।

मुख्यमंत्री नीतीश ने खोल दिया सरकार का खजाना !

प्रगति यात्रा के अंतिम दिन दी 1404 करोड़ की सौगात

पटना, एजेंसी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा का समापन हो गया है. आखिरी चरण के अंतिम दिन उन्होंने पटना जिले में 1404 करोड़ रुपये की लागत की 623 विकास योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया. इसमें कुल 367 योजनाओं के लिए 845 करोड़ रुपये का उद्घाटन और 256 योजनाओं का शिलान्यास के लिए 559 करोड़ रुपये से अधिक की राशि शामिल है.

पटना को मुख्यमंत्री की सौगात

भ्रमण के दौरान बाढ़ प्रखंड की बेढ़ना पंचायत में विकास योजनाओं की प्रगति का जायजा लिया. बेढ़ना में पंचायत सरकार भवन, पुस्तकालय, हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर और टेलीमेडिसिन केंद्र का उद्घाटन किया. इसके अतिरिक्त जल-जीवन-हरियाली अभियान के अंतर्गत जीर्णोद्धार किए गए दो तालाबों को जीविका दीदियों को हस्तांतरित किया. इसके बाद बाढ़ में प्रस्तावित नागरिक सुविधाओं के विकास के लिए स्थल का निरीक्षण किया.

किन योजनाओं पर कितनी खर्च?

नगर परिषद मोकामा में 14 योजना की लागत 6.31 करोड़, नगर परिषद मसौढ़ी की 8 योजनाओं की लागत 2.91 करोड़, नगर परिषद खगौल की 13 योजनाओं की लागत 2.12 करोड़, नगर परिषद दानापुर निजामत की 6 योजनाओं की लागत 4.19 करोड़, नगर परिषद की फुलवारीशरीफ की 10 योजनाओं की लागत 1.86 करोड़, नगर परिषद फतुहा की 4 योजनाओं की लागत 1.68 करोड़ है.

नगर परिषद क्षेत्र में योजनाओं का शुभारंभ

नगर पंचायत नौबतपुर की 13 योजनाओं पर 1.19 करोड़ रुपये, नगर परिषद बख्तियारपुर की 2 योजनाओं की लागत 2.04 करोड़, कार्यपालक अभियंता पटना सिटी भवन प्रमंडल (गुलजारबाग) की 3 योजनाओं की लागत 93.88 करोड़ होगी. पटना भवन प्रमंडल गर्दनीबाग की 1 योजना की लागत 85.76 करोड़, बिहार राज्य भवन निर्माण निगम लिमिटेड की 7 योजनाओं की लागत 104.09 करोड़ और पथ निर्माण विभाग की कुल 14 योजनाओं की लागत 554.94 करोड़ शामिल है.

ग्रामीण क्षेत्रों में योजनाओं की भरमार

बिहार पुलिस भवन निर्माण निगम की कुल 25 योजनाओं की लागत 37.97 करोड़, ग्रामीण कार्य विभाग (मसौढ़ी) की कुल 30 योजनाओं की लागत 26.27 करोड़, ग्रामीण कार्य विभाग (पालीगंज) की 2 योजना की लागत 2.79 करोड़ राशि शामिल है. ग्रामीण कार्य विभाग (कार्य प्रमंडल) बाढ़ की 4 योजनाओं की लागत 6.12 करोड़, ग्रामीण कार्य विभाग पटना की 9 योजनाओं की लागत 12.61 करोड़ शामिल है.

स्ट्रीट लाइट योजनाओं की शुरुआत

ग्रामीण कार्य विभाग दानापुर की 6 योजनाओं की लागत 21.37 करोड़, जिला पंचायत राज शाखा (पटना स्ट्रीट लाइट) की 23 योजनाएं की लागत 18.99 करोड़ राशि, जिला पंचायत राज शाखा पटना की कुल 76 योजनाओं की 3.55 करोड़ राशि, मनरेगा की कुल 193 योजनाओं की लागत 11.93 करोड़ राशि, जिला शिक्षा पदाधिकारी पटना की कुल 48 योजनाओं की 26.07 करोड़ राशि, स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन की कुल 22 योजनाओं पर 22.96 करोड़ राशि और स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन की कुल 7 योजनाओं पर 9.76 करोड़ रुपये शामिल हैं.

जल-जीवन-हरियाली के तहत कई योजनाएं शुरू

सीएम ने तोप गांव में जल-जीवन-हरियाली अभियान अंतर्गत जीर्णोद्धार किए गए तालाब, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, उच्च माध्यमिक विद्यालय और खेल मैदान का भी निरीक्षण किया. इसके अतिरिक्त जेपी गंगा पथ के कोईलवर तक प्रस्तावित विस्तार, निर्माणाधीन शेरपुर-दिघवारा 6 लेन गंगा पुल और दानापुर-मनेर-बिहटा पथ के प्रस्तावित 4 लेन चौड़ीकरण का स्थल निरीक्षण किया. साथ ही छितनावां में नवनिर्मित उसरी-छितनावां पथ का उद्घाटन किया.

सीएम ने 4-लेन सड़क निर्माण कार्य का लिया जायजा

इसके अलावा राजीव नगर नाला और आनंदपुरी नाला पर प्रस्तावित 4-लेन सड़क निर्माण कार्य का भी मुख्यमंत्री ने स्थल निरीक्षण किया. सगुना मोड़ से नेहरू पथ की दोनों तरफ भूमिगत नाले के साथ प्रस्तावित सड़क निर्माण कार्य और विभिन्न पथों के चौड़ीकरण कार्य का स्थल निरीक्षण किया. साथ ही तारामंडल के पास नवनिर्मित बहुमंजिला हाइड्रोलिक पार्किंग और कदमकुआं में नवनिर्मित दो मंजिला वेंडिंग हाट का भी उद्घाटन किया. इसके अतिरिक्त विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत लाभुकों को स्वीकृत राशि का चेक भी प्रदान किया.

पशु-मत्स्य और सिंचाई योजनाओं की सौगात

बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड की कुल 2 योजनाओं पर 147.36 करोड़, लघु सिंचाई प्रमंडल की कुल 48 योजनाओं पर 73.98 करोड़, कल्याण विभाग की कुल 2 योजनाओं पर 1.096 करोड़, स्वास्थ्य विभाग की कुल 11 योजनाओं पर 63.91 करोड़, पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग की कुल 2 योजनाओं पर 1.90 करोड़ राशि और कृषि विभाग की 10 योजनाओं पर 0.94 करोड़ की लागत आई है.

31 पुलिसकर्मियों पर केस दर्ज जांच में लापरवाही का मामला

मधेपुरा में एसपी ने की कार्रवाई, डीजीपी के निर्देश पर की गई समीक्षा

मधेपुरा, एजेंसी। मधेपुरा में पुलिस विभाग ने कार्रवाई करते हुए अपने ही विभाग के 31 पुलिस अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। सालों तक लंबित पड़े मामलों की अनदेखी और जांच में लापरवाही बरतने वाले इन अधिकारियों पर गाज गिरी है। राज्य के डीजीपी के निर्देश पर हुई इस कार्रवाई से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। डीजीपी ने आपराधिक मामलों की जांच में देरी पर नाराजगी जताते हुए जिलों के सभी एसपी को निर्देश दिया था कि वे उन पुलिस अधिकारियों के खिलाफ सख्त कदम उठाएं। जो मामलों की जांच अधूरी छोड़कर फाइलें दबाकर बैठे है।

डीजीपी के आदेश के बाद मधेपुरा एसपी ने विभागीय समीक्षा की। इसमें कई अधिकारियों की लापरवाही सामने आई है। इसमें पाया गया कि जिले के सदर थाना की समीक्षा में ही 31 पुलिस अधिकारियों की लापरवाही सामने आई। इसमें से कई अधिकारियों ने 10 से 12 साल पुराने मामलों की जांच अधूरी छोड़ दी थी। मधेपुरा सदर थानाध्यक्ष विमलेंदु कुमार के अनुसार पुलिस पदाधिकारियों को बार-बार पत्र लिखकर जांच पूरी करने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन उन्होंने कोई कार्रवाई नहीं की।

इसके बाद केस संख्या 230/25 दर्ज किया गया। इस कार्रवाई की जद में आने वाले 31 पुलिस अधिकारियों में एसआई महेश कुमार यादव, एसआई रविश रंजन, गणेश प्रसाद, एएसआई बिंदेश्वर राम, एसआई गोपाल कृष्ण, एएसआई प्रेमचंद्र पासवान, एसआई सियावर मंडल, एसआई किशोर कुमार, एसआई उमेश पासवान, एएसआई अनिल कुमार सिंह, एसआई अनंत कुमार, एसआई पशुपति सिंह, एएसआई विनोद कुमार मिश्रा शामिल है। इसके साथ ही एसआई राजेश चौधरी, एसआई रामाश्रय शर्मा, एएसआई सुभाष चंद्र नारायण, एसआई लक्ष्मण राम, एसआई अशोक कुमार साह, एसआई प्रवीण ठाकुर, एएसआई मदन मोहन सिंह, एसआई नितेश कुमार, एएसआई नंदकिशोर सिंह, एएसआई चंदेश्वर राम, एसआई सत्येंद्र नारायण सिंह, एसआई सुरेश राम, एसआई महेश कुमार रजक, एसआई पशुराम दास, एसआई गंगा सागर, एसआई रविंद्र प्रसाद सिंह, एसआई नवीन कुमार सिंह और एसआई महेश कुमार यादव शामिल है।

मारपीट और पैसे छीनने के आरोप में भाजपा विधायक दोषी करार

3 महीने की सजा के साथ लगा जुर्माना

दरभंगा, एजेंसी। बिहार की दरभंगा एमपी-एमएलए कोर्ट ने अलीनगर से भारतीय जनता पार्टी के विधायक मिश्रीलाल यादव को दोषी करार दिया है. विशेष न्यायाधीश निधि प्रसाद आर्य की अदालत ने उनको तीन महीने की सजा सुनाई है. साथ ही उन पर 500 रुपये का जुर्माना भी लगाया है.

3 महीने की सजा के साथ लगा जुर्माना: न्यालाय ने अलीनगर विधानसभा क्षेत्र के वर्तमान बीजेपी विधायक मिश्रीलाल यादव और गोसाईं टोल पचाढ़ी निवासी सुरेश यादव को दोषी करार दिया है. भादवि की धारा 323 के तहत तीन महीने की सजा और 500 रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है.

क्या है मामला?:

असल में केवटी थाना क्षेत्र के समैला निवासी उमेश मिश्र ने 29 जनवरी 2019 की आपराधिक घटना को लेकर 30 जनवरी को प्राथमिकी दर्ज कराई थी. उन्होंने आरोप लगाया था सुबह 6 बजे मॉर्निंग वॉक के लिए वह घर से निकले थे. गोसाईं टोल पहुंचे तो पूरब दिशा से आ रहे मिश्रीलाल यादव, सुरेश यादव और अन्य 20-25 लोग हथियार से लैस होकर कदम चौक पर घेरकर गाली-गलौज करने लगे. उन्होंने जब विरोध किया तो मिश्रीलाल ने सिर पर फरसे से हमला कर दिया, जिस वजह से वह घायल हो गए थे.

मारपीट और पैसे छीनने का आरोप

विधायक समेत दोनों आरोपियों के खिलाफ पीड़ित उमेश मिश्र ने केवटी थाने में 30 जनवरी को प्राथमिकी दर्ज कराई थी. जिसमें उन्होंने आरोप लगाया मॉर्निंग वॉक के दौरान विधायक और उनके सहयोदी सुरेश यादव ने रॉड और लाठी से मारा. साथ ही पॉकेट से 2300 रुपये भी निकाल लिए. मामले में पुलिस ने 12 अक्टूबर 2019 को आरोप पत्र दाखिल किया गया था. वहीं, 17 अप्रैल 2020 को कोर्ट ने संज्ञान लेते हुए अभियोजन पक्ष से साक्षियों के बयान के बाद शुक्रवार यानी 21 फरवरी 2025 को मिश्रीलाल यादव और सुरेश यादव को सजा सुनाई है.

कौन हैं मिश्रीलाल यादव?

68 वर्षीय मिश्रीलाल यादव दरभंगा जिले की अलीनगर विधानसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी के विधायक हैं. हालांकि 2020 के विधानसभा चुनाव में उन्होंने मुकेश सहनी की विकासशील इंसान पार्टी से जीत हासिल की थी लेकिन बाद में पार्टी के चारों विधायकों ने 2022 में बीजेपी की सदस्यता हासिल कर ली. उससे पहले 2003 से 2009 तक विधान परिषद के सदस्य भी रहे थे.

2 मार्च से खेलो इंडिया यूथ गेम्स का प्रशिक्षण,तीन अलग-अलग स्थानों पर प्रशिक्षण शिविर, राजगीर में तैराकी और कुश्ती की ट्रेनिंग मिलेगी

नालंदा, एजेंसी। बिहार राज्य खेल प्राधिकरण ने खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 की तैयारियों को लेकर एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। प्राधिकरण की ओर से जारी आदेश के अनुसार, राज्य के युवा खिलाड़ियों के लिए विशेष प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 2 मार्च 2025 में किया जाएगा।

प्रशिक्षण शिविर तीन अलग-अलग स्थानों पर आयोजित किए जाएंगे। राजगीर में तैराकी और कुश्ती, पटना में एथलेटिक्स, मलखंब, बॉक्सिंग, टेबल टेनिस,

तीरंदाजी और जिमनास्टिक का प्रशिक्षण दिया जाएगा, जबकि मुजफ्फरपुर में फुटबॉल का प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा। विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि इस प्रशिक्षण में भाग लेने वाले खिलाड़ियों की जन्म तिथि 1 जनवरी 2007 के बाद होनी अनिवार्य है। खिलाड़ियों को अपने आधार कार्ड और जन्म प्रमाण पत्र के साथ-साथ अन्य आवश्यक दस्तावेज भी साथ लाने होंगे।

लड़के और लड़कियां दोनों भाग ले सकेंगे

बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के निदेशक रवीन्द्रन शंकरन ने बताया कि ÷यह पहल राज्य के युवा खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का एक बेहतरीन अवसर प्रदान करेगी। हमारा लक्ष्य है कि बिहार के खिलाड़ी खेलो इंडिया यूथ गेम्स में अपनी छाप छोड़ें।÷ प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 2 और 3 मार्च 2025 को किया जाएगा, जिसमें लड़के और लड़कियां दोनों भाग ले सकेंगे। इस पहल से राज्य में खेल प्रतिभाओं को नई दिशा मिलने की उम्मीद है।

सांसद पप्पू यादव ने की मुख्यमंत्री की तारीफ : कहा- उनके नेतृत्व में बिहार लगातार आगे बढ़ रहा है

जनप्रतिनिधियों पर खूब बरसे

पूर्णिया, एजेंसी। पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की खुलकर सराहना की है। बिहार में जारी विकास कार्यों की सराहना करते हुए निर्दलीय सांसद ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार लगातार आगे बढ़ रहा है। वहीं इस दौरान पप्पू यादव स्थानीय जनप्रतिनिधियों पर जमकर बरसे और विरोधियों को खड़ी खोटी सुनाते हुए कहा कि जिन्हें पूर्णिया की चिंता सता रही है, उनसे मेरा आग्रह है विकास की जिम्मेवारी मेरे ऊपर छोड़ दें। अपराधी माफिया को मिटाने का दायित्व सरकार अपने ऊपर उठा ले।

अर्जुन आवास में आयोजित प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने कहा कि सरकार का दायित्व बनता है विकास कार्यों में सहयोग देना। इसके लिए मैं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का दिल की गहराईयों से धन्यवाद देना चाहता हूं कि वे विकास के प्रति संवेदनशील हैं। लोकसभा चुनाव के जीत के बाद ही उन्होंने पूर्णिया एयरपोर्ट और इंटरनेशनल बस टर्मिनल सेवा को अपनी प्राथमिकताओं में रखा था, जिसे उन्होंने पूरा कर दिखाया।

अंतिम पड़ाव में पहुंच गया है एयरपोर्ट

निर्दलीय सांसद ने बगैर नाम लिए स्थानीय जनप्रतिनिधियों पर हमला बोलते हुए कहा कि जिस व्यक्ति ने घर से बाहर निकाल कर कभी लोगों का दुख दर्द और समस्याओं को जानने की कोशिश की। अधर में अटके एयरपोर्ट निर्माण कार्य की आवाज उठाना, बस स्टैंड में पानी जमना, नालों की साफ सफाई, चुनाव आते ही वे अब फिर से कुकरमुत्ते की तरह फोटो खिंचवाने बाहर निकलने लगे हैं। ऐसे लोग विकास की जिम्मेदारी मुझ पर छोड़ दें। क्राइम कंट्रोल की जिम्मेदारी संभाल लें। पूर्णिया को दुनिया का नंबर वन कमिश्नरी बनाने की जिम्मेदारी मेरी है। हर दिन सदन में पूर्णिया गूंजता है और गूंजता रहेगा। दोनों ही वायदों को मैंने पूरा कर दिखाया है। जनता से ये वादा किया था कि 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव से पहले पूर्णिया एयरपोर्ट चालू हो जाएगा। अब एयरपोर्ट चालू होने के अंतिम पड़ाव में पहुंच गया है।

उन्होंने कहा कि जब से वे सांसद बने हैं तब से उनका एक ही सपना है कि पूर्णिया जिला भारत का सबसे विकसित जिला बने और पूरे विश्व में इसकी चर्चा हो। अपने इस सपने को पूरा करने वो रात दिन एक कर काम कर रहे हैं। आगे उन्होंने कहा कि अब लोग पूर्णिया एयरपोर्ट का क्षेय लूटने में लगे हैं, लेकिन मैं कहना चाहता हूं की 20 वर्षो से मैं पूर्णिया से बाहर था आखिर उस समय पूर्णिया में एयरपोर्ट, हाईटेक बसस्टेंड जैसे काम क्यों नहीं स्वीकृत करवा सकें। कुछ लोग बरसाती मेंडक की तरह निकलते हैं और कहने लगते हैं की मेरे संघर्ष से ही सबकुछ हुआ है। पूर्णिया में हाईकोर्ट बैंच की स्थापना के लिए लोकसभा का आदेश बिहार सरकार को दिया गया है। अब जदयू व बीजेपी वाले मुख्यमंत्री से कहकर हाईकोर्ट बैंक की स्थापना जल्द करवा लें तब ना जाने।

संक्षिप्त समाचार

गन्ना उत्पादक किसान संघ का बैठक संपन्न

बीएनएम। सुगौली पू०च०। गन्ना उत्पादक किसान संघ के जिला कमेटी की बैठक जिला अध्यक्ष साथी धनंजय पुरी के अध्यक्षता, जिला सचिव साथी अशोक पाठक के संचालन एवं प्रदेश अध्यक्ष साथी राज मंगल प्रसाद के पर्यवेक्षण में संपन्न हुआ। बैठक में गन्ना उत्पादक किसान की समस्याओं पर विस्तार से बात रखते हुए प्रदेश अध्यक्ष राजमंगल प्रसाद ने इसके निराकरण हेतु आंदोलन का रास्ता अख्तियार करने का आह्वान किया ।श्री प्रसाद ने आने वाले समय में चकिया एवं मोतिहारी चीनी मिल क्षेत्र सहित संपूर्ण जिला के किसानों को गोलबंद कर एक व्यापक आंदोलन गठित कर चीनी मिल के जमीन एवं मजदूर किसानों के हिफाजत करने का आह्वान किया। बैठक में जिला सचिव अशोक पाठक ने प्रस्ताव प्रस्तुत किया जिस पर रामाश्रय पासवान ,जगदीश प्रसाद ,रामनरेश सिंह, जनार्दन साहनी ,हरेंद्र सिंह, अनिल सिंह ,ध्रुव त्रिवेदी ने विस्तार से चर्चा करते हुए प्रस्ताव को पास किया तथा संगठन को पूरे जिले में व्यापकता प्रदान करने पर बल दिया। बैठक में गन्ना का मूल्य500 करने घटतौली तथा रिजर्व क्षेत्र के किसानों के शोषण पर रोक लगाने सहित अन्य मुद्दों पर मार्च महीने में आंदोलन करने का फैसला लिया गया बैठक का अभिनंदन जिला सचिव सीपीएम सत्येंद्र कुमार मिश्रा ने किया।

पिकअप पलटने से एक छात्र की मौत,दो घायल

परीक्षा देकर पिकअप से लौट रहे थे छात्र

बीएनएम। कोटवा । थाना क्षेत्र के कोटवा से बझिया रोड में पोखरा पुल के नजदीक एक पिकअप गाड़ी असंतुलित होकर पलट गई ।जिसमें पिकअप पर सवार मैट्रिक की परीक्षा देकर घर लौट रहे एक छात्र की मौत हो गई। वहीं दो छात्र घायल हो गए। मृतक की पहचान केसरिया थाना क्षेत्र के सोनरापुर बराई टोला निवासी अमन कुमार पटेल पिता बद्री नाथ पटेल(17) वर्षीय के रूप में हुई है। वहीं गंभीर रूप से घायल एक छात्र उक्त गांव का ही रंजीत कुमार बताया गया है। घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम 10 मिनट के अंदर मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से घायल को अस्पताल पहुंचाया। मामले में डायल 112 के पदाधिकारी लक्ष्मण कुमार ने बताया है कि इसकी सूचना स्थानीय स्थानीय थानाध्यक्ष को दे दी गई है। बता दे कि मोतिहारी से केसरिया सोनरापुर लौट रहे पिकअप पर दर्जन भर मैट्रिक के परीक्षार्थी सवार हो गए थे। उक्त पिकअप पोखरा के नजदीक असंतुलित होकर पलट गई जिसमें एक छात्र की मौत हो गई। इस संबंध में थानाध्यक्ष राजरूप राय ने बताया कि मृतक के परिजन थाने पहुंच चुके हैं। पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी भेजने की प्रकिया शुरू कर दी है।

देश के मशहूर शायर इमरान प्रतापगढ़ी का आगमन की तैयारी जोरों पर

बीएनएम। रक्सौल पू०च०। बिहार प्रदेश युवा कांग्रेस के पूर्व महासचिव सह नगर प्रतिनिधि एमएलसी क्षेत्र संख्या 12 के प्रोफेसर अखिलेश दयाल ने देश के मशहूर शायर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के चेयरमैन जनाब इमरान प्रतापगढ़ी का आगमन महात्मा गांधी की कर्मभूमि पश्चिमी चंपारण के नरकटियागंज में 23 फरवरी को सुबह 11.00 बजे होना तय है जिस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जय बापू जय भीम जय संविधान से जुड हुआ है जिसकी तैयारी लगभग हो चुकी है। पूर्व महासचिव ने कहा कि नई जोश और उत्साह के साथ रक्सौल से सैकड़ों कार्यकर्ता सुबह 7.30 बजे से नरकटियागंज के लिए प्रस्थान करेंगे।

जिला स्तरीय सतर्कता एवं अनुश्रवण की प्रथम वार्षिक बैठक आयोजित

बीएनएम। मोतिहारी। शहर के समाहरणालय स्थित डॉ. राधाकृष्णन भवन सभागार में शनिवार को जिला पदाधिकारी सौरभ जोरवाल की अध्यक्षता में अनु. जाति एवं अनु. जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम 1989 अन्तर्गत जिला स्तरीय सतर्कता एवं अनुश्रवण की प्रथम वार्षिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में अनु. जाति एवं अनु. जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम 1989 से संबंधित कार्यों की समीक्षा की गई। जिला कल्याण पदाधिकारी द्वारा बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों को मुआवजा भुगतान से संबंधित आंकड़ों से अवगत कराया गया तथा उपस्थित समिति के सदस्यों द्वारा पुछे गये प्रश्नों का जवाब से अवगत कराया गया। जिलाधिकारी के द्वारा जिला कल्याण पदाधिकारी को निदेश दिया गया कि पुलिस अधीक्षक कार्यालय से प्राथमिकी से संबंधित दैनिक प्रतिवेदन प्रतिदिन प्राप्त कर यथाशीघ्र मुआवजा भुगतान करना सुनिश्चित करें साथ ही 60 दिनों के अन्दर चार्ज शीट प्राप्त कर द्वितीय किस्त का भी भुगतान करें। जिला कल्याण पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि कुछ मामलों में प्राथमिकी की धारा त्रुटिपूर्ण होने के कारण मुआवजा भुगतान करने में अनावश्यक विलंब का सामना करना पड़ता है। इस संदर्भ में जिलाधिकारी द्वारा निदेश दिया गया कि मासिक क्राइम बैठक में सभी संबंधित थाना प्रभारी को वस्तुस्थिति से अवगत कराते हुए त्रुटि का निराकरण कर भुगतान करेंगें। उक्त बैठक में प्रदीप सरार्फ, सांसद प्रतिनिधि, बेतिया, दिवेश दिवाकर, जिला कल्याण पदाधिकारी, असैनिक चिकित्सक-सह-मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, ज्ञानेश्वर प्रकाश, जिला जन संपर्क पदाधिकारी, विशेष लोक अभियोजक, अनु. जाति एवं अनु. जनजाति (अत्याचार निवारण) एवं समिति के सदस्य गगनदेव राम, राजेन्द्र राम तथा नन्दलाल कुमार, रामाकंत बैठा, विशुनदेव राम आदि उपस्थित रहे।

अंचलकर्मियों ने खतियानी भूमि को नेट पर रोक सूची में डाला, किसान परेशान

बीएनएम। हरसिद्धि। प्रखंड क्षेत्र में नेट पर भूमि की ब्यौरा डालने में हुई गड़बड़ी से भूमि मालिक परेशान हैं, कितने भूमिदाता की खतियानी जमीन गरमजरूआ और बेतिया राज की सूची में चली गई है। क्षेत्र में लगभग बीस प्रतिशत लोगों की जमीन में गड़बड़ी हुई है। लोगों ने जब अपनी भूमि की ब्यौरा नेट से निकले तो पता चला कि खाता दो बेतिया राज की सूची में दर्ज है, सैकड़ो लोगों की भूमि 241 गैरमजरूआ में शामिल है। जिससे लोगों में आक्रोश है। दुदही निवासी प्रभु प्रसाद ने बताया कि मेरे खतियानी भूमि को गरमजरूआ में दर्ज कर दिया गया है, वही रामयश प्रसाद ने बताया कि मेरे दस्तावेजी भूमि में रकबा दर्ज नहीं है और नेट पर खाता गलत बता रहा है, जितने लोग खाता खेसरा और रकवा सुधारने के लिए परिमार्जन कराया गया। परंतु अभी तक सुधार नहीं हुआ है। अंचल का चक्कर लगा रहे हैं। सीओ ने बताया कि भूमि की ब्यौरा नेट पर चढ़ाने पर टाइप गलत हो गया है। उन्होंने बताया कि जिसका रोक सूची में दर्ज हुआ है उनका सुधार किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिसका जिसका भूमि में गड़बड़ी हुई है वे आवेदन दे और उसको सुधार के लिए वरीय पदाधिकारी के पास भेजकर सुधार किया जाएगा। किसानों की रैयती भूमि को रोक सूची से हटाया जाएगा।

प्रशांत किशोर के आगमन को लेकर जन सुराज पार्टी ने तैयारी को लेकर की बैठक

» 2 मार्च को पश्चिम चंपारण व 3 मार्च को पूर्वी चंपारण में सभा को प्रशांत किशोर करेंगे संबोधित

» दो हजार से अधिक जनसुराजी कार्यकर्ताओं की सभा में शामिल होने की है संभावना- मुख्य प्रवक्ता अभय कुमार अधिवक्ता

बीएनएम। मोतिहारी

नगर के जनसुराज पार्टी कार्यालय में शनिवार को प्रदेश से आए किशोर कुमार मुन्ना, पूर्व विधायक, प्रदेश महासचिव जनसुराज, किशोर जी, प्रदेश महासचिव अजय द्विवेदी, प्रदेश नेता जनसुराज एवं पूर्व जिला प्रभारी, राघवेंद्र पाठक जिला प्रभारी, जनसुराज की अगुआई में जिला अध्यक्ष राम शरण यादव की अध्यक्षता में बैठक हुई। जनसुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर का आगमन आगामी 02 मार्च को पश्चिमी चम्पारण व 03 मार्च को पूर्वी चम्पारण के कल्याणपुर हाई स्कूल के मैदान में सभा का आयोजन किया जाना है। उक्त सभा में दो हजार से अधिक जनसुराजी कार्यकर्ताओं की शामिल होने की संभावना है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए जिला संगठन पदाधिकारी, अनुमंडल संगठन पदाधिकारी, प्रखण्ड संगठन पदाधिकारी अपने-अपने सैकड़ों साथी के साथ सभा में पहुंचेंगे। इस बैठक में प्रदेश पदाधिकारी के साथ राज्य कोर कमिटी के सदस्य वीर महतो, कुसुम देवी, जयमंगल कुशवाहा, शिवहर-सीतामढ़ी के जिला प्रभारी, कृष्णकांत मिश्र महासचिव, अरुण तिवारी, कार्यालय प्रभारी सुबोध तिवारी, अजय देव, सदस्य प्रदेश कार्यकरणी समिति, मुन्ना सिंह, जिला संयोजक अभियान, अनुमंडल संगठन पदाधिकारी, संजय मेहता, विजय कुशवाहा, सुधा वर्मा, विभा शर्मा, सुभाष सिंह कुशवाहा, लालधारी प्रसाद महतो सहित अन्य पार्टी के पदाधिकारी उपस्थित रहे। उक्त आशय की जानकारी जन सुराज पार्टी के मुख्य प्रवक्ता अभय कुमार अधिवक्ता ने दी है।

प्रमुख की बैठक में हुआ हाल्ला हंगामा

बीएनएम। पकड़ीदयाल

प्रखंड सभागार में शनिवार के दिन प्रमुख पिंकी देवी की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में उपस्थित प्रखंड विकास पदाधिकारी मृत्युंजय कुमार सहित अन्य प्राधिकारी उपस्थित रहे। सदन में सभी पंचायत समिति सदस्य उपस्थित रहे। जिसमें 9 समिति सदस्यों ने बैठक का विरोध किया और बैठक को स्थगित करने का मांग किया। वही हल्ला हंगामा के बिच चैता पंचायत के पंचायत समिति सदस्य विनोद कुमार प्रमुख पर आरोप लगाते हुए बताया कि हमारे क्षेत्र में हमारे बिना जानकारी के 55 लाख का काम करा लिया गया हैं और चैता पंचायत वार्ड नंबर 6 में बालक विद्यालय मे शौचालय का पैसा 2 साल पूर्व प्रमुख के द्वारा निकासी कर ली गई है। अभी तक शौचालय नही बना। वही चार समिति क्षेत्र में अभी तक एक रुपया का काम नहीं हुआ है। वहीं प्रमुख पिंकी देवी ने बताई कि वह जमीन विवादित है इसीलिए वहां शौचालय नहीं बना वही सुंदरपट्टी पंचायत के पंचायत समिति सदस्य राजेश प्रसाद ने सदन में आवाज उठाया कि मेरे क्षेत्र में काम संपन्न हो गया। प्रमुख यही और भेन्डर इन्हीं का है अभी तक पैसा नहीं मिला। वही प्रमुख पिंकी देवी ने सदन में बताई कि इस बारे में हमारे पति से बात कर लीजिए इस पर पंचायत समिति सदस्य धनौजी रूबी देवी ने कहा कि इस कुर्सी पर आपको बैठने का हक नहीं है। आप अपने पति को बैठा दीजिए प्रखंड आप नहीं आपके पति चला रहे हैं जबकि प्रमुख आप हैं। वही सर्वसहमती से बैठक संपन्न हुआ और निर्णय लिया गया कि 31 मार्च के पहले आपस में बैठकर योजना के बारे में विस्तार से बात होगी उसके बाद पंचायत समिति सदस्यों की मीटिंग होगी और योजना लिया जाएगा। वही संदर्भ में जानकारी देते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी मृत्युंजय कुमार ने बताया कि पंचायत समिति सदस्यों का बैठक संपन्न हुआ। इस बैठक में किसी भी योजना पर चर्चा नहीं हुई।

अध्यक्ष मलिकार्जुन करेंगे जिला कांग्रेस कार्यालय का जीर्णोद्धार

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष ने जिला कांग्रेस कमिटी कार्यालय का किया निरीक्षण

बीएनएम। मोतिहारी

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह का आगमन पूर्वी चंपारण में शनिवार को हुआ। प्रेसवार्ता में उन्होंने बताया कि बाबू के कर्मभूमि पर बहुत जल्द राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का आगमन होगा। मल्लिकार्जुन खड़गे जिले में आकर जिला कांग्रेस कमिटी पूर्वी चंपारण के कार्यालय के जीर्णोद्धार का उद्घाटन करेंगे और एक विशाल आम सभा को भी संबोधित करेंगे। प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह ने इस मौके पर गांधी आश्रम का दौरा किया। उन्होंने बताया कि जिला अध्यक्ष ई. शशि भूषण राय उर्फ गप्पू राय की अध्यक्षता में जिला कांग्रेस कमिटी कार्यालय का जीर्णोद्धार जिस तरह से किया है वो सराहनीय है। उन्होंने जिला कांग्रेस कमिटी पूर्वी चंपारण के कार्यालय का भी निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यालय की स्थिति पर चर्चा करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी की गतिविधियाँ और संगठन को मजबूत बनाने के लिए इस तरह के सुधार बेहद जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं को एकजुट करने और पार्टी को और मजबूती देने के लिए है। मल्लिकार्जुन खड़गे का आगमन न केवल कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं के लिए बल्कि पूर्वी चंपारण की जनता के लिए भी एक ऐतिहासिक अवसर होगा। इस अवसर पर जिले में पार्टी की मजबूती को लेकर कई नई योजनाओं पर भी विचार-विमर्श किया गया। अखिलेश प्रसाद सिंह ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी प्रदेश और देश के समग्र विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए हमेशा तैयार है। उन्होंने पार्टी के कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि वे आगामी कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लें और संगठन को और मजबूत बनाएं।

कोटवा सीओ और अंचलकर्मियों पर लोगों ने लगाया रिश्वतखोरी का आरोप

बीएनएम। मोतिहारी

जिला के कोटवा अंचल कार्यालय में व्याप्त भ्रष्टाचार इन दिनो काफी चर्चा में है।अंचल में पदस्थापित सीओ से लेकर अंचलकर्मी तक पर लोग रिश्वतखोरी का आरोप लगा रहे है।स्थानीय लोगों का आरोप है,कि दाखिल-खारिज परिमार्जन या एलपीसी बनवाने से लेकर अन्य कार्यों के लिए अंचल कार्यालय में रिश्वत की राशि तय है।लिहाजा लोग कार्यो में लेटलतीफी व अनियमितता से परेशान है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि किसी भी कार्य के लिए अंचल कर्मी सीओ मोनिका आनंद के लिए खर्चा पानी देने की बात कर रहे है।लोगों ने आरोप लगाते हुए बताया कि दाखिल-खारिज के लिए दिये गये आवेदन के बाद रिश्वत की मांग की गई,नही देने पर कर्मचारी द्धारा यह रिपोर्ट कि ज़मीन रैयती है और किसी प्रकार की रोक सूची में नहीं आती, जिसके बाद भी सीओ मोनिका आनंद ने खाता और खेसरा बदलकर इसे न्यायालय में विवादित दिखाते हुए आवेदन रिजेक्ट कर दिया,जब अंचल कार्यालय में इस बारे में सवाल किया गया तो सीओ ने अपनी गलती स्वीकारते हुए सुधार करने की बात कही। सीओ मोनिका आनंद ने बताया कि गलती से रिजेक्ट हुए मामलों को ठीक किया जा रहा है।बड़ा सवाल तो यह है,कि सीओ के अनुसार जब रिश्वतखोरी का आरोप निराधार है,तो आखिर उन्होने अपनी गलती कैसे स्वीकार कर ली।कोटवा अंचल क्षेत्र के एक नागरिक की माने तो कोटवा अंचल कार्यालय में दाखिल-खारिज कराने के लिए 10 हजार से 15 हजार और परिमार्जन के लिए 30 हजार से 35 हजार व एलपीसी के लिए 10 से 15 हजार तक की वसूली की जा रही है।हालांकि इन आरोपों में कितना दम है,यह तो जांच के बाद ही साफ होगा।फिलहाल इतना बता दे कि अंचल कार्यालय के रवैये से लोगो में खासा नाराजगी व्याप्त है।

जनता दरबार में दर्जनों फरियादी अपनी फरियाद लेकर पहुंचे

बीएनएम। सुगौली

नियमित कार्यक्रम के तहत स्थानीय थाना में लगा जनता दरबार।शनिवार को ग्यारह बजे से लगे जनता दरबार में दर्जनों फरियादी अपनी फरियाद लेकर पहुंचे।जिसकी सुनवाई अंचलाधिकारी कुंदन कुमार और थाना के एसआई जय प्रकाश सिंह और राजस्व कर्मियों ने की।सुनवाई के लिए आये पांच मामलों में तीन का निष्पादन जनता दरबार में की गई।सुनवाई के दौरान गोड़ीगांवा के नथुनी सहनी और गोरख सहनी के बीच के,फुलवरिया सुगांव के चंचल कुमार मिश्र और ठग मिश्र के बीच और श्रीपुर रामपुर के रीता देवी और मुकेश सिंह के बीच के मामले की सुनवाई की। जिसके बाद उन सभी मामलों को रैयती पाया गया और जटिल होने के कारण उन्हें सक्षम न्यायालय में पेश करने का सुझाव दिया गया।अंचलाधिकारी ने बताया कि सुनवाई के लिए आये दो अन्य मामलों के पक्षकारों को अगले जनता दरबार में हाजिर होने का आदेश दिया गया।जनता दरबार में सुनवाई के दौरान अंचलकर्मी अखिलेश कुमार,प्रेम किशोर सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

एक्साइज विभाग की वाहन पलटने से चार घायल

बीएनएम। चकिया

मधुबन उत्पाद विभाग के स्कार्पियो अनियंत्रित होकर पलटने से सवार चार लोग घायल हो गए। घटना थाना क्षेत्र अंतर्गत गांव बैशाहा के सामने एन एच 28 पर घटित बताई गई है।आनन फानन में सभी घायलों को इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल लाया गया जहां पर चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार कर गम्भीर रूप से घायल चालक संतोष कुमार को बेहतर इलाज के लिए श्री कृष्ण सिंह मेडिकल कॉलेज मुजफ्फरपुर रेफर कर दिया गया। बाकी अन्य घायलों में गृह रक्षक कुंदन कुमार,बाला लखिन्द्र,विंदेश्वरी प्रसाद शामिल हैं। जिनका इलाज अनुमंडलीय अस्पताल में चल रहा है। घटना की सूचना मिलते ही विभाग के वरीय अधिकारी अस्पताल पहुंच घायलों का हाल-चाल जाना तथा हौसला अफजाई की।

घटना के सम्बन्ध में बताया गया है कि -मधुबन उत्पाद थाना की स्कॉर्पियो मोतिहारी जवान को लेकर जा रही थी कि उक्त स्थान पर वाहन अनियंत्रित होकर पलट गई जिसके कारण सवार सभी घायल हो गए।

कर्ण पुरस्कार से नवाजे गये अंतरराष्ट्रीय सैंड आर्टिस्ट मधुरेंद्र

बीएनएम। मोतिहारी

अंग, जन, गण, अंग मदद फाउंडेशन एवं अंगिका विकास फाऊंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में विश्व मातृभाषा दिवस के अवसर पर शुक्रवार को अंग प्रदेश भागलपुर के साहित्यिक विरासत के रूप चर्चित भगवान पुस्तकालय सभागार में राष्ट्रीय अंग समागम का आयोजन किया गया। वही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देशहित में कला के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए रेत के महान कलाकार मधुरेंद्र कुमार को महान दानवीर कर्ण पुरस्कार से सम्मानित किया। महान स्वाधीनता सेनानी नाटककार, रंगकर्मी विरेंद्र नारायण के जन्मशती के अवसर पर आईआईटी रुड़की के प्राध्यापक विजय नारायण, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय केंद्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. मनोज कुमार ने संयुक्त रूप से चंपारण के लाल प्रख्यात सैंड आर्टिस्ट मधुरेंद्र को अंगवस्त्र और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। बता दें कि सैंड आर्टिस्ट मधुरेंद्र की झोली में अभी तक अंतर्राष्ट्रीय सैंड आर्ट फेस्टिवल अवॉर्ड, वैश्विक शान्ति सम्मान, अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध महोत्सव सम्मान, अंतर्राष्ट्रीय राजगीर महोत्सव सम्मान, राष्ट्रपति कलाम यूथ अवॉर्ड, भारत नेपाल मैत्री सम्मान, बिहार गौरव, तिलका मांझी सम्मान, चम्पारण रत्न, यूथ आईकॉन, आम्रपाली सम्मान, वैशाली गणराज्य, मगध रत्न, शाहिद सम्मान, चंपारण गौरव अवार्ड, अमृत पुरुष अमरेंद्र सम्मान, सहित सैकड़ों एवार्ड हासिल कर चुके हैं। गौरतलब हो कि सैंड आर्टिस्ट मधुरेंद्र कुमार बिहार लोकसभा चुनाव 2019, बिहार विधानसभा 2020 और स्वच्छ सर्वेक्षण 2021- 22 के ब्रांड एंबेसडर सहित अंतर्राष्ट्रीय रेत कला उत्सव के विजेता भी रह चुके हैं। इसके अलावे वर्ष 2023 में सैंड आर्टिस्ट मधुरेंद्र कुमार का नाम बिहार के महान हस्तियां बुक में नाम दर्ज हुआ। उनकी कई रेत की मूर्तियां अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना चुकी हैं। सैंड आर्टिस्ट मधुरेंद्र ने दुनियां भर में करीब एक दर्जन से अधिक अंतर्राष्ट्रीय रेत कला प्रतियोगिताओं और उत्सवों में भाग लिया है और देश के लिए कई पुरस्कार जीते हैं। मौके पर उपस्थित जनसत्ता के मुख्य संपादक प्रसून लतांत, शिक्षाविद रत्न मंडल, डॉ. शंभू दयाल खेतान, अमृत पुरूष अमरेंद्र, समाजसेवी सचितानंद साह, अंग मदद फाउंडेशन के सचिव वंदना झा समेत साहित्य के विद्वान, लेखक, समीक्षक व अनेकों कवियों ने सैंड आर्टिस्ट मधुरेंद्र को बधाई देते उनकी कला को और बुलंदियों तक पहुंचाने के लिए शुभकामनाएं भी दी।

संक्षिप्त समाचार

बिहार के शिक्षक कर रहे हैं बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़

» हेड मास्टर ने विद्यालय में हीं बच्चों के सामने शिक्षिका पति की जमकर कर डाली धुलाई

» हेड मास्टर के गलत आचरण से तंग ग्रामीणों ने विद्यालय परिसर में काटा बवाल

» हेड मास्टर और शिक्षिका पति के बीच के विवाद को ग्रामीणों ने प्रेम प्रसंग कारण बताया

बीएनएम। रक्सौल। दरअसल में बदलते हुए बिहार की बिगड़ी हुई तस्वीर पूर्वी चंपारण जिले के रक्सौल प्रखंड क्षेत्र के राजकीय प्राथमिक विद्यालय पिपरिया से आ रही है। विद्यालय के सहायक शिक्षिका गुड्डी कुमारी के पति अपने विद्यालय को छोड़ पत्नी के विद्यालय में आ गए। हेड मास्टर से बोले मैडम को छुट्टी दे दीजिए किसी जरूरी काम से बाहर जाना है, इसी बात को लेकर हेड मास्टर और शिक्षिका पति के बीच तू तू - मैं मैं शुरू हुआ। बीच में ही हेड मास्टर अपने भाई को फोन कर स्कूल में बुला लिए और दोनों भाई स्कूल के बच्चों के सामने हीं शिक्षिका पति की जमकर धुलाई करने लगे, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल भी हो रहा है। शिक्षिका पति की धुलाई देख ग्रामीण हेड मास्टर और हेड मास्टर के भाई को बंधक बना लिए और डायल 112 की पुलिस को बुलाकर शिक्षिका सहित शिक्षिका पति और हेड मास्टर के साथ-साथ हेड मास्टर के भाई को पुलिस के हवाले कर दिए। इधर ग्रामीणों का आरोप है कि हेड मास्टर का आचरण पिछले कोई सालों से गलत है। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि हेड मास्टर ओमप्रकाश बैठा का सहायक शिक्षिका से प्रेम प्रसंग भी है। शिक्षिका के पति जब भी विरोध करते हैं तो उन्हें कुछ ना कुछ भुगतना पड़ता है। इधर पुलिस हेड मास्टर और शिक्षिका और शिक्षिका पति को भेलाही थाने ले गई, देर रात तक कस्टडी में रखी। लेकिन किसी के द्वारा लिखित शिकायत नहीं करने के कारण भेलाही थाना की पुलिस सब को छोड़ दी। लेकिन इधर सबसे बड़ा सवाल खड़ा होता है इतना बड़ा कांड हो जाने के बाद भी अभी तक शिक्षा विभाग अपने कानों में तेल डाल कुंभकरण की तरह क्यों सोया हुआ है।

कालीबाग मंदिर व बस स्टैंड के डीपीआर के लिए निविदा जारी

बीएनएमः बेतिया। नगर निगम द्वारा कालीबाग मंदिर परिसर के सभी मंदिरों का जीर्णोद्धार और बस स्टैंड को आधुनिक स्तर पर विकसित करने के लिए डीपीआर तैयार करने के लिए अनुभवी कंपनी/ एजेंसियो से निविदा आमंत्रित की गई। जिसमे बेतिया राज कालीन इस आध्यात्मिक और पर्यटनिक महत्व के ऐतिहासिक धरोहर मंदिर के मौलिक स्वरूप को सुरक्षित रखते हुए संपूर्ण मंदिर परिसर अन्य संरचनाओं और खाली भूखंड का नए और आकर्षक लुक में सौंदर्यीकरण करने का प्रारूप आर्टिटेक्ट और एक्सपर्ट स्ट्रक्चरल इंजीनियर के माध्यम से तैयार कर प्रस्तुत करना है। महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने बताया कि इसी के साथ बस स्टैंड को आधुनिक स्वरूप में विकसित करने के लिए नगर निगम द्वारा पारित प्रस्ताव के अनुरूप किया जाना सुनिश्चित है। महापौर ने बताया कि कालीबाग मंदिर और न्यू बस स्टैंड परिसर मॉडल लुक में आधुनिक सुविधाओं का विस्तार करने के साथ पूरे बस स्टैंड परिसर का सौंदर्यीकरण लिए भी डीपीआर अलग से बनाने की निविदा जारी कर दी गई है।

शराब पी कर हंगामा करते तीन धराये

बीएनएमः तुरकौलिया। शराब पी कर हंगामा करते हुए तीन शराबियों को रघुनाथपुर पुलिस ने पकड़ा है। पकड़े गए शराबियों में छपरा के रोहित कुमार, बेतिया साठी थाना क्षेत्र का संजीव कुमार वर्मा और रघुनाथपुर का अशोक साह है। तीनों को बालगंगा के समीप से गिरफ्तार किया है। रोहित और संजीव बालगंगा में एक निजी अस्पताल में मजदूरी का काम कर रहा था। जबकि अशोक साह हलुआई का काम करता है। बताया जाता है कि पुलिस को सूचना मिली कि तीन व्यक्ति उक्त चौक पर शराब पीकर हल्ला हंगामा कर रहे थे। सूचना पर पुलिस पहूंची तो लड़खड़ाते हुए भागने लगे। जिन्हें पुलिस बल के सहयोग से पकड़ा गया। नाम पता पूछने पर उनके मुंह से शराब पीने जैसी गंध आ रही थी। पुलिस अभिरक्षा में लेकर उनका मेडिकल जांच कराया गया। जहां शराब पीने की पुष्टि हुई। प्रभारी थानाध्यक्ष मिंटू कुमार ने बताया कि एफआईआर दर्ज कर तीनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

पिकअप पलटने से एक छात्र की मौत,दो घायल

परीक्षा देकर पिकअप से लौट रहे थे छात्र

बीएनएमः कोटवा । थाना क्षेत्र के कोटवा से बझिया रोड में पोखरा पुल के नजदीक एक पिकअप गाड़ी असंतुलित होकर पलट गई ।जिसमें पिकअप पर सवार मैट्रिक की परीक्षा देकर घर लौट रहे एक छात्र की मौत हो गई। वहीं दो छात्र घायल हो गए। मृतक की पहचान केसरिया थाना क्षेत्र के सोनरापुर बराई टोला निवासी अमन कुमार पटेल पिता बद्री नाथ पटेल(17) वर्षीय के रूप में हुई है। वहीं गंभीर रूप से घायल एक छात्र उक्त गांव का ही रंजीत कुमार बताया गया है। घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम 10 मिनट के अंदर मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से घायल को अस्पताल पहुंचाया। मामले में डायल 112 के पदाधिकारी लक्ष्मण कुमार ने बताया है कि इसकी सूचना स्थानीय स्थानीय थानाध्यक्ष को दे दी गई है। बता दे कि मोतिहारी से केसरिया सोनरापुर लौट रहे पिकअप पर दर्जन भर मैट्रिक के परीक्षार्थी सवार हो गए थे। उक्त पिकअप पोखरा के नजदीक असंतुलित होकर पलट गई जिसमें एक छात्र की मौत हो गई। इस संबंध में थानाध्यक्ष राजरूप राय ने बताया कि मृतक के परिजन थाने पहुंच चुके हैं। पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी भेजने की प्रकिया शुरू कर दी है।

पीएम आवास सर्वेक्षण में पीआरएस पर घुस लेने का मुखिया ने लगाया आरोप

बीएनएमः तेतरिया । प्रखंड के पुनास लहलादपुर पंचायत के मुखिया प्रभावती देवी ने जिला पदाधिकारी को पत्र लिखकर पुनास लहलादपुर पंचायत के रोजगार सेवक धनंजय कुमार पर पीएम आवास योजना के सर्वेक्षण में घुस लेने का आरोप लगाते हुए पुनास लहलादपुर पंचायत से हटाने की मांग की है। पत्र में लिखा है कि रोजगार सेवक अवैध रूप से रुपए लेकर सर्वेक्षण कर रहा है। बेघर वाले व्यक्ति का नाम सर्वेक्षण में नहीं जोड़ रहा है। समय पर पंचायत में नहीं आ रहा है जिससे मनरेगा का काम भी सुचारू रूप से नहीं हो पा रहा है। बीडीओ राधवेंद्र कुमार ने बताया की जानकारी मिली है जांच कर कारवाई किया जायेगा।

बॉलीवुड प्लेबैक सिंगर आकांक्षा शर्मा की प्रस्तुति के साथ तीन दिवसीय केसरिया महोत्सव का समापन

बीएनएम। केसरिया। अमृतेश कुमार ठाकुर

तीन दिवसीय केसरिया महोत्सव का शनिवार को प्लेबैक सिंगर आकांक्षा शर्मा की प्रस्तुति के साथ ही सफल समापन हुआ। महोत्सव के अंतिम दिन सांस्कृतिक संध्या का उद्घाटन विधायक शालिनी मिश्रा, डीडीसी शम्भू शरण पांडेय, चकिया एसडीओ शिवानी शुभम, डीएसपी सत्येन्द्र कुमार सिंह व डॉ तिष्या श्री ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस आयोजन को भव्य व सफल बनाने में जिला प्रशासन के अधिकारियों ने महती भूमिका निभाई। वहीं आयोजन स्थल पर उमड़ी भीड़ के दौरान विधि-व्यवस्था संधारण व यातायात व्यवस्था को लेकर पुलिस भी सक्रिय रही। जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल, डीडीसी शम्भूशरण पांडेय, चकिया एसडीओ शिवानी शुभम, डीपीआरओ ज्ञानेश्वर प्रकाश, केसरिया बीडीओ मनीष कुमार सिंह, सीओ पूनम मिश्रा, चकिया एडीएसओ सुनील कुमार साहित अन्य अधिकारियों ने आयोजन को सफल बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ा। वहीं आदित्य मानस ने मंच संचालन की दमदार भूमिका निभाई। पुलिस कप्तान स्वर्ण प्रभात के निगरानी में पुलिस प्राशासन विधि-व्यवस्था को लेकर काफी मुस्तैदी दिखाई। चकिया डीएसपी सत्येन्द्र कुमार सिंह, केसरिया पुलिस निरीक्षक मुनीर आलम, थानाध्यक्ष उदय कुमार सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी कार्यक्रम स्थल व इसके आसपास सक्रिय रहे। इसके अलावा केसरिया बीईओ विनय कुमार तिवारी, एमओ खुशबू कुमारी, बीपीआरओ खुशबू कुमारी, सीडीपीओ रघुवंश कुमार सहित अन्य अधिकारीयों ने महोत्सव के सफल आयोजन में अहम भूमिका निभायी। सभी संबंधित अधिकारियों व इस महोत्सव के शानदार आयोजन में भूमिका निभाने वाले लोगों को मंच से सम्मानित किया गया। इधर, विधायक शालिनी मिश्रा ने तीन दिवसीय केसरिया महोत्सव के सफल समापन के लिए जिला प्रशासन व क्षेत्र के कलाप्रेमियों के प्रति आभार जताया है।

बॉलीवुड प्लेबैक सिंगर आकांक्षा की प्रस्तुति पर झूमें दर्शक

बीएनएमः केसरिया

कला संस्कृति एवं युवा विभाग, पर्यटन विभाग, शिक्षा विभाग एवं जिला प्राशसन पूर्वी चंपारण के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय केसरिया महोत्सव का अंतिम दिन बॉलीवुड नाइट्स के नाम रहा। जहाँ कार्यक्रम की मुख्य आकर्षण का केंद्र बॉलीवुड की सुप्रसिद्ध प्लेबैक सिंगर आकांक्षा शर्मा ने अपनी परफॉर्मेंस से धूम मचा दी। आकांक्षा ने "लग जा गले कि फिर ये कभी रात हो न हो..... , तेरे संग यारा..... व जाने क्या बात है नींद नहीं आती है.....जैसे लोकप्रिय गाने प्रस्तुत कर खूब वाहवाही लूटी। इससे पहले सारे गा मा पा सहित कई टीवी शो में अपनी गायकी का लोहा मनवा चुके सुरंजन राजवीर ने ऐ वतन ..... गीत से बॉलीवुड नाईट की दमदार शुरुआत की। वहीं कोलकाता डांस ग्रुप ने देशभक्ति गीत पर सामूहिक नृत्य प्रस्तुत कर महोत्सव को यादगार बना दिया।

कितनी चाहत छुपाए बैठा हूँ.....

बीएनएमः केसरिया

तीन दिवसीय केसरिया महोत्सव के अंतिम दिन शनिवार को जिले के उभरते कलाकारों को अवसर मिला। गीत-संगीत की शुरुआत गायक मुकेश द्विवेदी ने कितनी चाहत छुपाए बैठा हूँ, ये न सोंचो की मुझे प्यार नहीं, तुम जो आये हो मेरी दुनिया में, अब किसी का भी इन्तेजार नहीं....गजल से किया। इसके बाद उन्होंने हमें और जीने की चाहत न होती अगर तुम न होते सहित अन्य गजल की प्रस्तुति देकर खूब वाहवाही लूटी। जिले के उभरते गायक कुमार बादल के वक्त का ये परिंदा रुका है कहाँ, मैं था पागल जो इसको बुलाता रहा की प्रस्तुति पर पूरा दर्शक दीर्घा झूम उठा। वहीं सूफी गायन के क्षेत्र में जिले के उभरते गायक अभिनव आकर्ष ने अपनी गायकी से धूम मचा दिया। गायिका आरजू मिश्रा ने लगन तुम से लगा बैठे जो होगा देखा जाएगा प्रस्तुत किया। ताजपुर पटखौलिया के मुखिया भोला कुमार ने " खाई के पान बनारस वाला....." सुनाकर जमकर ताली बटोरी।

मुशायरा में जमकर बजी ताली

बीएनएमः केसरिया

महोत्सव के मंच से कार्यक्रम के आखिरी संध्या मुशायरा का आयोजन किया गया। शायर फसी अहमद फसी ने संस्कृति की एक धरोहर केसरिया की धरती है..... व दिल में घर चाहते हैं अगर, गुफ्तगू का हुनर चाहिए..... सुना कर शमा बांध दिया। तहरीम फातिमा ने मोहब्बत का ऐसा सफर कर रही हूँ.....सुनाया। डॉ सबा अख्तर ने डूबेगी आज रात भी होगी शबाब में.....बूढ़े भी डूब जाते हैं जैसे बोतल शराब में..... सुनाया। वहीं शायर ओजैर अंजुम, ताहीरुद्दीन ताहिर ने भी अपनी प्रस्तुति से मुशायरा में चार चाँद लगा दिया। मुशायरा का संचालन गुलरेज शहजाद ने किया।

कत्थक नृत्य प्रस्तुत कर प्रिया ने लोगों का मन मोहा

बीएनएमः केसरिया

महोत्सव के मंच से केसरिया की रहने वाली प्रिया प्रकाश ने कत्थक नृत्य प्रस्तुत कर लोगों का मन मोह लिया। प्रिया ने नमामि नमामि शिव चारणम वंदनम गीत पर कत्थक नृत्य का परफॉर्मेंस किया। केसरिया के दीनानाथ पाठक की पुत्री प्रिया बनारस से कत्थक नृत्य की शिक्षा ग्रहण कर रही है। इससे पहले वैशाली व केसरिया महोत्सव के मंच से प्रस्तुति दे चुकी है। बेहतरीन प्रस्तुति पर विधायक शालिनी मिश्रा व एसडीओ शिवानी शुभम ने अंगवस्त्र व मोमेंटों देकर सम्मानित किया।

फ्री हेल्थ कैम्प में उमड़ी लोगों की भीड़

स्वास्थ्य विभाग व लायंस क्लब ऑफ चकिया के द्वारा आयोजित किया गया शिविर

बीएनएमः केसरिया

महोत्सव के अंतिम दिन शनिवार को आयोजन स्थल परिसर में लगे स्वास्थ्य विभाग के स्टॉल पर वर्ल्ड विजन इंडिया के सहयोग से फ्री हेल्थ चेकअप शिविर लगाया गया। इस शिविर में चिकित्सीय जाँच कराने को लेकर लोगों की भीड़ उमड़ी। करीब तीन सौ से अधिक लोगों की चिकित्सीय जाँच कर आवश्यक दवा उपलब्ध करायी गई। वहीं एक्स-रे, बीपी, टीबी, सुगर, हाइट, वेट जाँच की गई। एसटीएस अनुप्रिया ने बताया कि करीब नब्बे मरीजों की टीबी जाँच की गई। जिसमें 25 लोग पॉजिटिव पाये गये। इन मरीजों की पुनः जाँच करायी जाएगी। वहीं करीब एक सौ लोगों का एक्स-रे किया गया। सीएचसी की प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ अर्चना की देखरेख में चिकित्सकों ने शिविर में आये मरीजों की जाँच की। मौके पर वर्ल्ड विजन के जिला समन्वयक जितेंद्र कुमार, एलएस संजीव कुमार, जीएनएम सुरेंद्र सिंह जाट, एएनएम मुन्नी कुमारी सहित अन्य मौजूद रहे। इधर, लायंस क्लब ऑफ चकिया के द्वारा केसरिया महोत्सव के मौके पर निः शुल्क मेगा चिकित्सा शिविर का भव्य आयोजन किया गया। शिविर में फिजीशियन डॉ आसिफ हुसैन नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ कमलेश कुमार, दंत रोग विशेषज्ञ डॉ आरबी सोनी एवं फिजीशियन डॉ दीपनारायण सिंह ने मरीजों की जाँच किया।चिकित्सा शिविर के दौरान चिकित्सकों एवं लायंस के सदस्यों ने मरीजों को जीवनशैली और खान पान में सुधार को लेकर जागरूक किया। शिविर का प्रबंधन सत्यम कार्तिकेय वत्स व संचालन क्लब सचिव कुंवर संदीप ने किया। वहीं कार्यक्रम को सफल बनाने में डीसी ओपी कुमार, क्लब उपाध्यक्ष विशाल जायसवाल, कोषाध्यक्ष रामपुकार पासवान, प्रकाश तिवारी, दीपक कुमार सिंह, प्रवीण सिंह सहित अन्य मौजूद रहे।

जिलाधिकारी कार्यालय मे लगा जनता दरबार

बीएनएमः बेतिया

आज जिलाधिकारी कार्यालय प्रकोष्ठ में जनता दरबार का आयोजन किया गया जहाँ जिलाधिकारी ने बारी बारी से आये हुये सभी फरियादियों की समस्याओं एवं शिकायतों को बारी-बारी से सुना। जिसके बाद कई समस्याओं एवं शिकायतों का ऑन-द-स्पॉट समाधान कराया गया। साथ ही कई मामलों में संबंधित प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों को फोन कर समस्याओं का समाधान करने के लिए शीघ्र समुचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी के जनता दरबार में 89 मामले आए। जिन मामलों का समाधान आज नहीं हो सका, उसे संबंधित विभाग के अधिकारियों को भेजते हुए त्वरित गति से नियमानुकूल समाधान कराने हेतु निर्देशित किया गया।

एसएसबी और स्थानीय पुलिस की कार्रवाई में गांजा जप्त तस्कर फरार

बीएनएमः बेतिया

पुलिस द्वारा मादक पदार्थ एवं अवैध शराब बरामदगी हेतू चलाए जा रहे विशेष अभियान के क्रम में गोपनीय सूचना के आधार पर इनरवा थाना के पदाधिकारी एवं बल तथा सशस्त्र सीमा बल द्वारा छापामारी कर ग्राम खामियां सेमरवारी पुल के पास 55.9 किलोग्राम मादक पदार्थ(गांजा) बरामद किया गया है।तस्कर नेपाल के तरफ भागने में सफल रहे हैं। इस संबंध में पुलिस द्वारा इनरवा थाना मैं कांड अंकित कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

विराट लोहार सम्मेलन का लोगो लोकार्पण, रथ यात्रा को मिली हरी झंडी

बीएनएमः मुजफ्फरपुर

लोहार समाज की एकता और उत्थान के प्रतीक विराट लोहार सम्मेलन 2025 का लोगो लोकार्पण एवं प्रचार रथ का भव्य रूप से हरी झंड़ी दिखाकर कच्ची पक्की स्थित लोहार कल्याण समिति कार्यालय में भव्य समारोह के साथ किया गया। प्रदेश अध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार शर्मा व जिलाध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता राधेश्याम ठाकुर ने संयुक्त रूप से लोगो का अनावरण किया तथा हरी झंडी दिखाकर रथ को रवाना किया। इस ऐतिहासिक क्षण पर संयोजक मुकेश कुमार शर्मा, सहसंयोजक अरुण कुमार शर्मा, रणविजय शर्मा, नगर अध्यक्ष शिव प्रसाद शर्मा, नागेंद्र शर्मा, विद्यापति ठाकुर, सहित लोहार समाज के कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। रथ यात्रा के माध्यम से समाज के लोगों को विराट लोहार सम्मेलन की महत्ता बताई जाएगी और समाज को संगठित करने का संदेश दिया जाएगा। प्रदेश अध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार शर्मा ने कहा कि यह सम्मेलन लोहार समाज की एकता, स्वाभिमान और सशक्तिकरण का परिचायक बनेगा। वहीं, जिलाध्यक्ष राधेश्याम ठाकुर ने कहा कि यह अभियान लोहार समाज के गौरव को स्थापित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम होगा। कार्यक्रम में शामिल सभी लोगों ने विराट लोहार सम्मेलन को सफल बनाने के लिए अपना योगदान देने का संकल्प लिया और समाज की एकजुटता का परिचय दिया।

जिम्मेदारियों का निर्वहन अधिकारियों के जेहन

सुप्रीम कोर्ट ने कार्यस्थल पर वरिष्ठों के बर्ताव को लेकर बड़ा फैसला दिया है। कहा कि वरिष्ठ अधिकारियों की डांट-फटकार को इरादतन किया गया अपमान नहीं माना जा सकता, जिस पर आपराधिक कार्यवाही की जरूरत हो। ऐसे मामलों में व्यक्तियों के विरुद्ध आपराधिक आरोप लगाने की अनुमति देने से गंभीर परिणाम हो सकते हैं। पीठ ने कहा महज गाली-गलौच, असभ्यता व अशिष्टता भारतीय दंड संहिता की धारा 504 के तहत आदतन किया गया अपमान नहीं है। यह धारा शांति भंग करने के इरादे से जान-बूझकर अपमान करने से संबंधित है, जिसमें दो साल की सजा का प्रावधान है। मामले में राष्ट्रीय दिव्यांग सशक्तिकरण संस्थान के कार्यवाहक निदेशक पर सहायक प्रोफसर को अपमानित करने का आरोप था। शिकायतकर्ता के अनुसार निदेशक ने अन्य कर्मचारियों के समक्ष डांटा व फटकारा था। यह सच है कि कार्यस्थल से संबंधित अनुशासन और कर्तव्यों के निर्वहन से जुड़ी फटकार, जो व्यक्ति कार्यस्थल पर प्रबंधन करता है, वह अधीनस्थों से अपनी जिम्मेदारी पूरी निष्ठा व समर्पण से पूरी करने की उम्मीद करेगा। हालांकि स्पष्ट तौर पर देखने में आता है कि अनुशासन के नाम पर वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा अपने अधीनस्थों के साथ संतुलित बर्ताव का अभाव नजर आता है। लहजा गलत हो भी तो नीयत बुरी नहीं होनी चाहिए, परंतु इस बारीक अंतर को समझना या समझा पाना भी आसान नहीं है। सेना के सख्त अनुशासन के दरम्यान कई बार ऐसी खबरें आती रहती हैं, जहां नीचे के ओहदे के सैनिक द्वारा अपने अधिकारी की हत्या तक कर दी गई। तय रूप से काम का दबाव, उच्च दर्जे की तामील, पाबंदियां और तय वक्त पर जिम्मेदारियों का निर्वहन अधिकारियों के जेहन पर खासा दबाव बनाते हैं। वे भी तनावग्रस्त या काम के बोझ के चलते सामान्य बर्ताव करने से चूक सकते हैं। यहां बात सिर्फ उच्चाधिकारियों या कनिष्ठों तक ही सीमित नहीं है। कार्य-स्थल पर अभद्र भाषा या गाली-गलौच करने वाले अशिष्ट अधिकारियों के बर्ताव को लेकर भी कर्मचारी क्षुब्ध रहते हैं। ज्यों कार्यस्थल पर महिलाओं के खिलाफ होने वाले उत्पीडऩ व अभद्र बर्ताव को लेकर कानून बनाए गए हैं।

संबंधों को सही दिशा और आकार देने की पहल की मोदी-ट्रंप

अवधेश कुमार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अमेरिका यात्रा पर संपूर्ण विश्व की दृष्टि थी। दूसरे कार्यकाल में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस्रइली प्रधानमंत्री, जापानी प्रधानमंत्री और जॉर्डन के राजा के बाद प्रधानमंत्री मोदी को आमंत्रित किया था। मोदी ऐसे चौथे वैश्विक नेता है जिनकी ट्रंप और उनके प्रशासन के साथ विस्तृत बातचीत हुई, समझौते हुए तथा इससे भविष्य के संबंधों का संकेत मिला। टैरिफ यानी सीमा शुल्क को लेकर ट्रंप का रवैया पहले जैसा ही कठोर है। उन्होंने घोषणा किया हुआ है कि रेसिप्रोकल टैरिफ यानी जो देश उनकी सामग्रियों पर जितना शुल्क लगाता है उतना ही लगाएंगे। उन्होंने अमेरिका के पुराने मित्र और साझेदारों जापान तथा यूरोपीय संघ को भी नहीं बक्शा है। वह केवल भारत को अलग से रियायत देंगे यह मानकर नहीं चलना चाहिए। भारत का नाम लेते हुए उन्होंने कहा था कि वहां शुल्क इतना ज्यादा है कि व्यापार करना कठिन है। संयुक्त पत्रकार वार्ता में भी उन्होंने कहा कि हम 45 अरब डॉलर के भारत से व्यापार घाटे को कम करने की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा, हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी नेभारत के अनुचित और बहुत कड़े टैरिफको घटाने की घोषणा की है, जो भारतीय बाजार में अमेरिकी पहुंच को कम करते हैं। और मैं कहना चाहूंगा कि यह बहुत बड़ी समस्या है। ट्रंप पहले कार्यक्रम में भी इस पर कठोर रहे हैं लेकिन भारत के विरुद्ध शुल्क वाली दंडात्मक कार्रवाई नहीं की। भारत को द्विपक्षीय व्यापार में सर्वाधिक लाभ अमेरिका के साथ है और वे शुल्क बढ़ाते हैं तो भारतीय सामग्रियों के लिए अमेरिकी बाजार में स्थान बनाना कठिन होगा। हमारा निर्यात घट सकता है और यह अर्थव्यवस्था की दृष्टि से चिंताजनक होगा। किंतु अब केवल अमेरिका नहीं संपूर्ण विश्व को उसके साथ संबंधों के पुनर्सयोजन की आवश्यकता उत्पन्न हो गई है। सत्ता संभालने के साथ ही ट्रंप लगातार आक्रामक होकर अपनी दृष्टि से अमेरिकी हित के संदर्भ में कदम उठा रहे हैं और उनसे अन्य देशों को परेशानी हुई है। हम यह मानकर नहीं चलें कि प्रधानमंत्री मोदी के दौरे से भारत और विश्व की दृष्टि से सकारात्मक उपलब्धियां नहीं हुई है। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में जिस तरीके से मोदी का स्वागत किया वैसा पूर्व के तीन नेताओं का नहीं हुआ। ट्रंप ने कहा भी कि मुझे आपकी कमी यहां महसूस हो रही थी। जहां तक प्रतिक्रियात्मक शुल्क का प्रश्न है तो ऐसा लगता नहीं कि अमेरिकी प्रशासन ने अभी तक उसका सही आकलन और रूपरेखा निर्धारित किया है। माना जा सकता है कि हमारे पास अपने हितों को सुरक्षित रखने का रास्ता खत्म नहीं हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी ने संयुक्त प्रेस वार्ता मुक्त व्यापार समझौते पर जल्दी पहुंचने की बात की और इसी वर्ष पूरा होने का संकेत दिया। वर्तमान में भारत और अमेरिका के बीच व्यापार 129.2 अरब डॉलर है, 2030 तक इसे 500 अरब डॉलर तक ले जाने का संकल्प मोदी ने व्यक्त किया। ट्रंप ने भारत का नंबर एक तेल और गैस आपूर्तिकर्ता देश बनने पर मोदी के साथ बातचीत की चर्चा की। इस तरह भारत ने रास्ता निकाला है। संभवतः उन्हें बताया है कि आप शुल्क लगाकर अपना नुकसान पहुंचाएंगे क्योंकि हम बड़े खरीदार हैं। जैसा प्रधानमंत्री मोदी ने कहा भी कि साझा उत्पादन, तकनीक आदि के मामले में हम रक्षा साझेदार हैं और सबसे बड़ी बात कि गैस और तेल हम आपसे खरीदेंगे। इसमें समस्या भी नहीं है। कहीं से हमको लेना है तो सबसे बड़े व्यापारिक साझेदार और लाभ वाले ऐसे देश से, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनेक समस्याओं से निपटने में सहयोग कर सकता है उससे खरीदने मे समस्या नहीं है। हमारी ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित होगी तथा हाइड्रोकार्बन खरीद में विविधता बढ़ेगा, कुछ देशों पर निर्भरता में कमी आएगी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे नये उभर रहे क्षेत्र में सहयोग द्विपक्षीय एवं वैश्विक व्यवस्था की दृष्टि से हमारे लिए लाभकारी है। एक महत्त्वपूर्ण बात भारत मध्य पूर्व यूरोपीय आर्थिक गलियारा पर अमेरिका की हरी झंडी है। यह हमारे लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। इससे ईरान स्थित चाबाहार बंदरगाह सुरक्षित हो सकता है। अमेरिका ने ईरान पर प्रतिबंध लगाया हुआ है, लेकिन चाबहार उन्होंने विदेश मंत्री मार्क रु बियो पर छोड़ दिया है। यह मार्ग चीन के बेल्ट एंड रोड इनीशिएटिव का प्रत्युत्तर है। इससे हमारे दूरगामी व्यापारिक एवं सामरिक हित सधने वाले हैं। बोस्टन ओर लॉस एंजेलिस में दो नये दूतावास खोलने की घोषणा महत्त्वपूर्ण है। इससे पता चलता है कि अमेरिका में भारत की राजनयिक, आर्थिक और दोनों देशों के नागरिकों के बीच अंतर्संवाद का काफी विस्तार हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी ने प्रमुख अधिकारियों और नेताओं से भी मुलाकात की जिनमें अमेरिकी खुफिया सेवाओं की निदेशक तुलसी गबार्ड, अमेरिकी सुरक्षा सलाहकार माइकल वाल्ट्ज एवं डिपार्टमेंट आफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी के प्रमुख एलन मस्क शामिल हैं। इन सबका असर सुरक्षा एवं अन्य मामलों में आने वाले समय में धीरे-धीरे दिखाई देगा। रूस-यूक्रेन के बीच तनाव घटाने पर ट्रंप सक्रिय हैं और इसमें हमारा भी हित है क्योंकि रूस पर लगे प्रतिबंधों से समस्याएं बढ़ी हुई हैं। हिन्द-प्रशांत में हिन्द महासागर पहल की घोषणा महत्त्वपूर्ण है। ट्रंप स्वतंत्र एवं मुक्त हिन्द प्रशासन क्षेत्र की बात करते हुए कहते रहे हैं कि भारत क्षेत्र की महाशक्तिहै और भारत की साझेदारी को हमेशा महत्त्व दिया है। भारत की सुरक्षा की दृष्टि से इस यात्रा की दो महत्त्वपूर्ण उपलब्धियां है। संयुक्त वक्तव्य में सीमा पार आतंकवाद को लेकर पाकिस्तान का स्पष्ट नाम लिया गया है तथा 2008 के मुंबई हमले के अपराधियों को सजा देने की भी मांग है। प्रधानमंत्री की यात्रा की पूरी तैयारी कर कर जाते हैं और इसमें उनकी भाषा और शब्दचयन भी शामिल है। उन्होंने संयुक्त पत्रकार वार्ता में ट्रंप की 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन यानी 'मागा की चर्चा करते हुए कहा कि मैं इस नाते उनका प्रशंसक हूं। उसी तरह भारत को 2047 तक विकसित बनाने के लिए मैं भी 'मेक इंडिया ग्रेट अगेन पर काम कर रहा हूं। इस यात्रा के बाद आर्थिक ,सामरिक एवं रणनीतिक संबंध व साझेदारी पर बनी व्यापक सहमति से पता चलता है कि भविष्य की दृष्टि से दोनों नेताओं ने संबंधों को सही दिशा और आकार देने की पहल की है और इसके अच्छे परिणाम आएंगे।

सूडोकु नवताल- 7350

✱✲✲✲✲ सरल

6					7			
		8	2				7	5
	4			3				6
	7	1			2		5	
8				4				3
	2		8			9	6	
2				8			3	
4	3				9	8		
			3					9

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 7349 का हल

7	4	6	9	1	5	8	3	2
1	5	2	8	3	7	4	6	9
9	3	8	2	6	4	7	1	5
8	6	4	7	9	1	5	2	3
5	2	7	3	4	6	9	8	1
3	9	1	5	8	2	6	7	4
2	7	9	1	5	8	3	4	6
6	1	5	4	7	3	2	9	8
4	8	3	6	2	9	1	5	7

जो साधना के शीर्ष पर हैं, वे संत हैं

हृदयनारायण दीक्षित

प्रत्येक शब्द का अर्थ होता है। अर्थ न हो तो शब्द का कोई मतलब नहीं। पतंजलि ने महाभाष्य में यह बात दोहराई है। शब्द और अर्थ मां और पुत्र जैसे हैं। शब्द की कोख में अर्थ होता है। जो शब्द का अर्थ नहीं जानते उनके लिए शब्द का कोई मतलब नहीं है। भारत में अध्यात्म सम्बंधी विपुल साहित्य रचा गया है। इन शब्दों के अर्थ बड़े मूल्यवान हैं। शब्दों के विशिष्ट ढंग से बने वाक्य मंत्र होते हैं। मंत्रों के भी अर्थ होते हैं। लेकिन उनके प्रभाव शब्दार्थ से ज्यादा व्यापक होते हैं। शब्दों का अपना संसार है। पृथ्वी पर जितनी वस्तुएं, पेड़, पौधे, जीव, जंतु, मनुष्य विद्यमान हैं, प्रत्येक रूप के लिए शब्द हैं या नाम हैं। कविता भी शब्दों का मधुर संयोजन होती है। आश्चर्य की बात नहीं है कि सौंदर्य का वर्णन कविता में ज्यादा सुंदर प्रकट होता है। वैदिक काव्य स्तुतियां हैं। वैदिक मंत्रों को कविता कहा जाता है। ऋग्वेद के काव्य के लिए ऋचा शब्द आया है। एक मंत्र में कहा गया है, ''ऋचो अक्षरे परमे व्योमन यस्मिन देवा अधि विश्वे ने शेधु- ऋचाएं परम व्योम में रहती है। यहीं सभी देवता भी रहते हैं।'' जो यह बात नहीं जानता वह वैदिक शब्दों का क्या अर्थ निकलेगा? लेकिन जो यह बात जानता है वह उसी तत्व में मिल जाता है। ज्ञान के लिए अज्ञात क्षेत्र का बोध असंभव नहीं है। सृष्टि का एक भाग जान लिया गया है। एक भाग जानने की सूची में है। लेकिन इससे भी बड़ा भाग अज्ञेय है। उसे जाना नहीं जा सकता। अज्ञात का भी ज्ञान होता है कि यह भाग अज्ञात है। ऋषि का संदेश सुस्पष्ट है कि पूर्ण ज्ञानी उसी विराट का अविभाज्य हो जाता है। बात सही है। किसी शब्द या वाक्य को याद करना आसान है। उस शब्द के अर्थ के लिए गहराई में उतरना कठिन है। अनेक कथावाचक श्रद्धालु श्रोताओं को गीत संगीत से प्रभावित करते हैं। लोकमंगल से जुड़े तमाम उदाहरण देते हैं। पौराणिक कथाओं का भी उल्लेख करते हैं। लेकिन श्रोताओं का आत्मरूपांतरण नहीं होता। कथावाचन साधारण जमावड़ा नहीं होता। कथाएं प्रेरक होती हैं। कथा और गल्प में अंतर होता है। आखिरकार इस बात का मूल कारण क्या है कि कथावाचक पूरी युक्ति और परिश्रम के साथ श्रोताओं का संबोधन करते हैं? श्रोता भी दत्त चित्त होकर सुनते हुए दिखाई पड़ते हैं। भक्ति कथाएं प्रेम से भरी पूरी हैं। श्रोता कुछ समय तक इनका आनंद लेते हैं। लेकिन इसका ठोस प्रभाव नहीं पड़ता। वैदिक ऋषि को किसी समय जनसामान्य की ऐसी ही समझ का सामना करना पड़ा होगा। तभी उसने यह मंत्र बताया कि देवता परम व्योम में रहते हैं। यहीं ऋचाएं भी रहती हैं। जो व्यक्ति यह बात नहीं समझता, ऋचा उसके लिए क्या कर सकती हैं? शब्द का बोला जाना और उसे सुना जाना, सुनते ही मस्तिष्क के सामने उसका अर्थ खुलना अल्पकाल में घटित होता है। अर्थ नहीं खुला तो शब्द निरर्थक हो जाता है। मंत्र पढ़ना पर्याप्त नहीं है। मंत्र का अर्थ खोलना ही श्रेयस्कर है। इस मंत्र में ऋषि ने सावधान कर दिया है कि ऋचा स्वयं में कुछ नहीं कर सकती, कि अर्थ महत्वपूर्ण है। इस मंत्र की महत्ता इस बात से आंकी जा सकती है कि ऋग्वेद (1.164) में व अथर्ववेद (9.15.18) में और श्वेताश्वतर उपनिषद में भी दोहराया गया है। प्रेम और ज्ञान की प्राप्ति किसी प्रतिनिधि के माध्यम से संभव नहीं है। भक्ति और ज्ञान साधना में भी कड़ी शर्त है। भक्ति स्वयं ही इष्ट तक पहुंचाती है। किराए के सहायक द्वारा भक्ति सिद्ध नहीं होती। ज्ञान प्राप्ति भी स्वयं की तप साधना से संभव होती है। पूर्वजों ने ज्ञान प्राप्ति के लिए तमाम साधनाएं की थीं। लोकमंगल के लिए उन्होंने तमाम त्याग और समर्पण किए थे। ढेर सारा ज्ञान हमारे सांस्कृतिक ग्रंथों में भरा पड़ा है। ऋग्वेद के रचनाकाल से लेकर आधुनिक काल तक सतत प्रवाही उत्कृष्ट ज्ञान परंपरा है। हजारों किलोमीटर दूर आकाश में बैठे सोम, मंगल, बुध, बृहस्पति और शुक्र पूर्वजों की जिज्ञासा का विषय थे। उन्होंने प्रकृति सृष्टि के सभी प्रपंचों का अध्ययन किया था। उनके अनुभव के गीत वैदिक साहित्य में संकलित हैं। वैदिक कविताएं बार-बार दोहराई जाती हैं। लेकिन ऋषि सावधान करता है कि जो यह बात नहीं जानता वह वैदिक मंत्रों से कुछ भी हासिल नहीं कर पाएगा। यस्तं न वेद किमृचा करिष्यति ईत तद विदुस्त इमे समासते। शब्द ज्ञान अर्थ के अभाव में व्यर्थ रहता है। अर्थ शब्द के द्वार खोलता है। सत्य अर्थ प्रकट हो जाता है। इसका अनुभव विशेष बोध पैदा करता है। सभी भाषाएं लाखों शब्दों से भरी पूरी हैं। इनमें रूपों के लिए शब्द हैं। इनमें प्रेम प्रकट करने के भी शब्द हैं। प्रेम व्यक्ति से भी हो सकता है और समष्टि से भी। प्रेम की व्याख्या शब्दों के द्वारा संभव नहीं है। आध्यात्मिक चेतना के लिए भी शब्द हैं। क्रोध प्रकट करने के लिए भी शब्द हैं। ध्वनि के लिए तो शब्द हैं लेकिन अलग-अलग ध्वनियों के लिए शब्दों का अभाव है। थाली या चाय की प्याली गिरते ही विशेष ध्वनि होती है।

आज का राशिफल

मेष राशिः आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहेगा। किसी बात को लेकर भाई-बहन से विचार-विमर्श करेंगे। आज किसी से भी बेवजह उलझनों से आपको बचना चाहिए। इस राशि के जो लोग टेक्सटाइल का काम कर रहे है, उन्हें आज अचानक बड़ा फायदा हो सकता है। आर्थिक पक्ष पहले से मजबूत बना रहेगा। स्वास्थ्य फिट रखने के लिए डेली रुटीन में मेडिटेशन व योगा अपनाएं। लवमेट आज एक दूसरे के भावनाओं की कद्र करेंगे।

वृष राशिः आज आपका दिन खुशनुमा पल लेकर आया है। कई दिनों से रुका हुआ काम आज पूरा हो जाएगा। माता के साथ धार्मिक कार्यों में मन लगाने से शांति मिलेगी। शाम का समय परिवार वालों के साथ अच्छा बीतेगा। दांपत्य जीवन में आपसी ताल-मेल बना रहेगा। अपनी गलतियों से सीखकर आगे बढ़ने की प्रेरणा आपको मिलेगी। आज भाई-बहन के साथ गेम्स खेलने का प्लान करेंगे, बड़ों का आशीर्वाद आपके साथ बना रहेगा।

मिथुन राशिः आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। घरवालों के साथ कहीं बाहर घूमने जाना आपके लिए अच्छा रहेगा। कोर्ट-कचहरी के मामले में आपको किसी अनुभवी व्यक्ति से ही सलाह लेनी चाहिए। छात्रों के लिए आज का दिन ठीक रहेगा। आपको अपनी मेहनत का फल जरूर मिलेगा। इस राशि की महिलाएं जो घर पर ही कोई बिजनेस करने की सोच रही है उनके लिए आज का दिन अच्छा है।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए नई खुशियां लाया है। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए दिन अच्छा है समाज हित में किए गये कामों की तारीफ होगी। आज आपको उच्चाधिकारी के सामने बात रखने पर पॉजीटिव रिस्पॉन्स मिलेगा। महिलाएं अपने जीवनसाथी को आज कुछ मीठा बना कर खिला सकती है दोनों के बीच रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी।

सिंह राशिः आज आपका दिन ठीक रहेगा। किसी भी काम को करते समय अपना मन शांत रखना चाहिए, इससे आपका काम आसानी से पूरा होगा। पैसों से जुड़े बड़े फैसले आपको सोच-समझकर ही लेने चाहिए। किसी पुरानी बात को लेकर आप उलझन की स्थिति में आ सकते हैं। जीवनसाथी के साथ रिश्ते को बेहतर बनाने के लिए, उन्हें कुछ उपहार देंगे।

कन्या राशिः आज आपका दिन उत्तम रहेगा। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन सफलता दिलाने वाला रहेगा। प्रतियोगी परीक्षा से संबंधित शुभ समाचार मिलेगा। आर्थिक क्षेत्र में स्थिरता बनी रहेगी। आप दोस्तों के साथ कुछ खुशी के पल बिताएंगे। जो लोग मीडिया से जुड़े हुए हैं, उनके कामों की आज प्रशंसा होगी।

तुला राशिः आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आज बिजनेस में आपको उम्मीद से अधिक फायदा होगा। घर के किसी काम को पूरा करने में बड़े-बुजुर्ग की राय आपके लिए कारगर साबित होगी। इस राशि के लवमेट के लिए आज का दिन बढ़िया है। थोड़ी मेहनत से किसी बड़े धन लाभ का अवसर प्राप्त होगा। अनजान व्यक्ति आपका फायदा उठा सकता है, थोड़ा सतर्क रहने की आवश्यकता है।

वृश्चिक राशिः आज का दिन उत्तम रहने वाला है। आज किसी बड़ी कंपनी से आपके लिए जॉब का ऑफर आ सकता है। आज आप नया हुनर सीखेंगे। परिवार में किसी सदस्य से आपको अच्छी सलाह मिलेगी। आज आपके घर में मेहमान आ सकते हैं, घर में खुशनुमा माहौल बना रहेगा। आज कारोबार में आपको ज्यादा मेहनत करने की जरूरत है।

धनु राशिः आज आप दिन की शुरुआत अच्छे मूड से करेंगे। आज अपने किसी रुके काम को पूरा करने का सही समय है। सिविल इंजीनीयर्स के लिए दिन बेहतरीन रहेगा। स्वास्थ्य समस्या से परेशान लोग आज खुद को बेहतर महसूस करेंगे। जॉब की तलाश कर रहे लोगों को अच्छी जॉब मिलने के योग हैं।

मकर राशिः आज का दिन आपके लिए खास होने वाला है। आज शांति से कामकाज निपटाने की कोशिश करेंगे तो बिना गड़बड़ के काम समय से पूरा हो जाएगा। आज आपको दूसरों का मूड समझने में बहुत हद तक सफलता मिलेगी। आज पारिवारिक मामले में कोई भी फैसला शांति से लेंगे तो आपका काम बन जाएगा।

कुंभ राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज पारिवारिक माहौल अच्छा बना रहेगा। आज धार्मिक गतिविधि में शामिल होने के योग बन रहे हैं। दूसरों के साथ बातचीत या सलाह करने से आपको फायदा होगा। रुके हुए कार्यों को पूरा करने के लिए नए सिरे से कोशिश करें। दांपत्य रिश्ता मजबूत बनेगा, परिवार के साथ क्वालिटी टाइम स्पेंड करेंगे।

मीन राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज अपने से बड़े या किसी अनुभवी से सलाह लेकर आगे बढ़ने की कोशिश करेंगे तो आपको सफलता जरूर मिलेगी। आज आप मेहनत, धैर्य और समझदारी से रुके हुए कार्यों को पूरा कर लेंगे। महिलाएं आज घर के कार्यों को पूरा करने में सफल होंगी।

दिल्ली विधानसभा चुनाव नतीजे के बाद की चुनौती आआपा से ज्यादा भाजपा की

मनोज कुमार मिश्र

चुनाव नतीजों के 12 दिन बाद दिल्ली में शालीमार बाग से पहली बार विधायक बनीं रेखा गुप्ता की अगुवाई में सरकार ने कामकाज संभाल लिया। भाजपा दिल्ली में विधानसभा बनने के बाद हुए पहले चुनाव यानी 1993 में सत्ता में आई थी। आपसी विवाद आदि के चलते पांच साल में भाजपा को तीन मुख्यमंत्री बदलना पड़े। 1998 में दिल्ली की सत्ता से बेदखल होने के बाद इस बार वह सत्ता में लौट पाई है। इस बार भाजपा बिना मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित किए चुनाव लड़ी और 70 सदस्यों वाली विधानसभा में 45.86 फीसद वोट और 48 सीटों के साथ सत्ता में वापसी की। दस साल से दिल्ली में सत्ता में बैठी आम आदमी पार्टी(आआपा) का वैसे तो वोट औसत काफी (करीब दस फीसद) घटा लेकिन भाजपा के मुकाबले दो फीसद कम यानी 43.57 फीसद पर रह गया। उसकी सीटें केवल 22 रह गई। भ्रष्टाचार के आरोपों में घिरी आआपा का सबसे बड़ा संकट यह है कि पूरी पार्टी एक व्यक्ति यानी संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की है। उनके अलावा उस पार्टी में बाकी नेता केवल नाम के हैं। इस चुनाव में वे खुद चुनाव हार गए हैं। उनके लिए भविष्य में पार्टी को एकजुट रखना बड़ी चुनौती है। 2014 में वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ लोकसभा चुनाव लड़ने बनारस पहुंच गए। वे खुद बुरी तरह हारे और उनकी पार्टी देश भर में हारी। परेशान होकर वे जमानत तुड़वाकर तिहाड़ जेल चले गए थे। माना जाता है कि अगर तब भाजपा कांग्रेस के आठ में से छह विधायकों के साथ मिलकर सरकार बना लेती तो आआपा का कहीं पता भी नहीं होता। अब तक की आआपा की राजनीति में यही दिखा है कि उसके नेता अरविंद केजरीवाल के पास धैर्य ज्यादा नहीं है। वे आसानी से किसी पर उबल पड़ते हैं। केजरीवाल समेत आआपा के कई नेता बार-बार कह चुके हैं कि वे सत्ता की राजनीति करने के लिए बने हैं। अभी आआपा की सरकार पंजाब में है और उसके विधायक गुजरात में भी हैं। इसी के चलते आआपा अपने स्थापना के दस साल में ही राष्ट्रीय पार्टी बन गई। चुनाव नतीजों के बाद अरविंद केजरीवाल काफी संभलकर बोल रहे हैं। सार्वजनिक रूप से वे बोलने से भी अभी तक बच रहे हैं। दिल्ली में उन्हें विधानसभा में अपने दल का नेता चुनना है। केजरीवाल समेत पार्टी के बड़े नेताओं पर शराब घोटाले समेत कई मामले चल रहे हैं। उन्हें सुप्रीम कोर्ट से सशर्त जमानत मिली है। यानी आने वाले समय में उनको या मनीष सिसोदिया आदि को जेल जाना पड़ सकता है। आआपा कोई कार्यकर्ता आधारित पार्टी नहीं है और न ही कई राज्यों के दलों की तरह जाति या वंशवादी भी नहीं है। यह तो केजरीवाल , उनके कुछ करीबियों और लाभार्थियों की पार्टी बनकर रह गई है। इसलिए केजरीवाल पर बहुत कुछ झेलने का दबाव रहेगा। अगर वे साल भर इसे झेल लेते हैं तो पार्टी बचेगी, अन्यथा उसके बिखरने का खतरा है। पूरी आआपा में पंजाब सरकार बचाए रखने की प्राथमिकता दिखने लगी है। मगर इससे बड़ी चुनौती भाजपा के सामने है। लोकसभा के चुनाव में दिल्ली की सभी सातों सीटें और लंबे समय तक दिल्ली नगर निगम चुनाव जीतने के बावजूद बार-बार विधानसभा चुनाव भाजपा हारती रही है। शायद इसीलिए भाजपा में बड़ी तादाद में इस बार चुनावी वादे किए गए। हर महिला को हर महीने 2500 रुपए देने, युवाओं को राजगार का अवसर दिलाने, आटो वालों का बीमा करवाने से लेकर समाज के हर वर्ग को कुछ-कुछ देने के वादे चुनाव पूर्व संकल्प पत्र में किए गए। सरकार ने अपनी पहली मंत्रिमंडल की बैठक में देशभर में लागू आयुष्मान योजना दिल्ली में भी लागू करने का फैसला कर लिया। इन सभी से बड़ी चुनौती गंदा नाला बन चुकी यमुना नदी को साफ करने का वादा है। भाजपा सरकार ने शपथ लेने के साथ ही यमुना की सफाई को प्राथमिकता पर करने की शुरुआत भी कर दी। दिल्ली की खराब सीवर प्रणाली, बड़ी संख्या में बस चुकी अनधिकृत कालोनियों की गंदगी आदि को तो सालों से यमुना ही झेल रही है। एक तिहाई दिल्ली में आज भी सीवर लाइन नहीं है। उसकी गंदगी सीधे यमुना में जाती है। यमुना नदी को साफ करने के लिए सबसे पहली जरूरत है कि ऐसी व्यवस्था बने कि एक बूंद भी सीवर, गंदगी या गंदा पानी यमुना में न जाए। सैकड़ों करोड़ रुपये खर्च करके सालों से यमुना को साफ करने के नाम पर सरकारी लूट चलती रही है और यमुना पहले से ज्यादा गंदी होती जा रही है। आआपा के नेता अरविंद केजरीवाल ने भी यमुना साफ करने का वादा किया था। ईमानदारी से उसे न पूरा करने और इसके लिए पांच साल और देने का समय मांगा था। माना जाता है कि उनके ऊपर और उनके नेताओं पर लगे भ्रष्टाचार के मामलों के अलावा आआपा की हार में उनका तीन मुद्दों पर माफी मांगना (आत्म स्वीकृति) भी कारण बने। उन्होंने कहा कि कि वे सभी दिल्लीवालों को साफ पीने का पानी नहीं दे पाए। दिल्ली की सड़कें ठीक नहीं करा पाए और यमुना को भी साफ नहीं करा पाए। यही मुद्दे भाजपा सरकार के भी सामने रहने वाले हैं। इसी से जुड़ा है साफ हवा या प्रदूषण का मुद्दा। वह भी आम दिल्ली वालों को प्रभावित कर रहा है और इससे देश की राजधानी दिल्ली की छवि काफी प्रभावित हुई है। आने वाले समय में इस सरकार के लिए यही मुद्दे इम्तिहान बनने वाले हैं। दिल्ली की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था में मेट्रो रेल बेहतरीन योगदान कर रही है लेकिन दिल्ली की ढाई करोड़ और एनसीआर (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की कुल साढ़े चार करोड़ आबादी) के लिए अकेले मेट्रो रेल नाकाफी है।जर्जर हो चुकी डीटीसी की बसों और परिवहन विभाग के अधीन चलने वाली बसों की संख्या को बढाकर कम से कम 15 हजार करना होगा, लोकल रेल सेवा यानी रिंग रेल को मजबूत बनाना होगा। इसका दायरा बढाना होगा। इससे पहले दिल्ली की करीब चालीस हजार किलोमीटर की सड़कों को ठीक कराना होगा। केन्द्र सरकार ने लाखों करोड़ की लागत से दिल्ली के बाहर पेरिफेरियर और दूसरी सड़कें बनाकर दिल्ली में अनावश्यक रूप से आने वाले वाहनों पर रोक लगाई लेकिन दिल्ली को अपनी सड़कें ठीक करनी होंगी। बसों की सेवा ठीक होने से कम से कम दुपहिया वाहनों की भीड़ सड़कों से कम होगी। अब तो यह बहाने भी नहीं चलेंगे कि पड़ोसी राज्य दिल्ली में प्रदूषण बढ़ने के कारण हैं। अब तो दिल्ली के हर तरफ भाजपा की ही सरकार है। दिल्ली में पानी की जरूरत डेढ़ हजार एमजीडी (मिलियन गैलन डेली) और दिल्ली में पानी सौ एमजीडी ही पैदा हो पाता है। गंगा और यमुना पर पूरी निर्भरता है। अगर यमुना दिल्ली में साफ हो पाई और बड़े जलाशय के रूप में विकसित हो पाई तो इस संकट का समाधान एक हद तक संभव हो पाएगा। नई सरकार के सामने साफ हवा और पानी की चुनौती तो है ही, इसके साथ शिक्षा, स्वास्थ्य से लेकर आवास, कूड़ा निबटान, साफ-सफाई इत्यादि अनेक मुद्दे भी सरकार की परीक्षा लेंगे।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

अपने सर्वश्रेष्ठ संस्करण में लौट आया है मोहम्मद शमी: रिकी पोंटिंग

दुबई। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की दृढ़ता और शानदार वापसी की ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने प्रशंसा की। पोंटिंग ने चैंपियंस ट्रॉफी में शमी के पांच विकेट लेने को इस बात का सबूत बताया कि यह अनुभवी गेंदबाज चोट से उबरने के बाद अब अपने सर्वश्रेष्ठ संस्करण में लौट आया है। शमी ने आईसीसी टूर्नामेंट में दमदार प्रदर्शन करते हुए 53 रन देकर पांच विकेट झटके, जिससे भारत ने बांग्लादेश को 228 रनों पर समेट दिया। उनकी घातक गेंदबाजी की बदौलत भारत ने यह मुकाबला छह विकेट से अपने नाम किया। इसके साथ ही वह 200 वनडे विकेट पूरे करने वाले सबसे तेज भारतीय और कुल मिलाकर दूसरे सबसे तेज गेंदबाज बन गए। रिकी पोंटिंग ने शमी की तारीफ करते हुए कहा, चैंपियंस ट्रॉफी के पहले ही मैच में पांच विकेट लेना शानदार है। वे वही खिलाड़ी हैं, जिन्हें कोई भी कप्तान अपनी टीम में चाहता है। जब

आप ऐसे किसी खिलाड़ी की आंखों में देखते हैं और उससे उम्मीद रखते हैं कि वह मुश्किल समय में टीम के लिए प्रदर्शन करेगा, तो शमी बिल्कुल वैसे ही हैं। शमी 2023 वनडे विश्व कप फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलते हुए टखने की चोट के कारण 14 महीने तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से दूर रहे थे। उस टूर्नामेंट में उन्होंने 24 विकेट लेकर सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में शीर्ष स्थान हासिल किया था। हालांकि, चोट के कारण उन्हें सर्जरी करानी पड़ी और बाएं घुटने में सूजन के चलते उनकी रिकवरी लंबी खिंच गई। पोंटिंग ने आगे कहा, शमी के लिए यह सफर आसान नहीं रहा। उनका अंतरराष्ट्रीय करियर भले ही शानदार रहा हो, लेकिन अगर पीछे मुड़कर देखें, तो करियर की शुरुआत में उन्हें कई रुकावटों का सामना करना पड़ा। हालांकि, उन्होंने खुद को लगातार बेहतर किया और शायद, इस समय वह अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में हैं। मुश्किल हालात से निकलकर वापसी करना आसान नहीं होता, लेकिन शमी जैसे खिलाड़ी बड़े टूर्नामेंटों में टीम को आगे ले जाते हैं। उनकी यह वापसी और चैंपियंस ट्रॉफी के पहले ही मैच में पांच विकेट लेना वाकई काबिल-ए-तारीफ है।

लेग स्पिनरों के खिलाफ खुलकर खेलें विराट: हरभजन सिंह

नई दिल्ली । भारत के पूर्व ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह ने स्टार बल्लेबाज विराट कोहली को सलाह दी है कि वह लेग स्पिनरों के खिलाफ खुलकर खेलें और अपने खेल का आनंद लें। हरभजन सिंह ने कहा, मुझे लगता है कि धीमी गति के गेंदबाजों, खासकर लेग स्पिनरों ने कोहली को कुछ हद तक परेशान किया है। उन्हें इस समस्या के खिलाफ कोई ठोस योजना बनानी होगी। जब फॉर्म साथ नहीं होता, तो खिलाड़ी ज्यादा समय लेते हैं और अपनी पारी को संभालने में संघर्ष करते हैं। विराट कोहली के साथ भी यही हो रहा है। क्रिकेट एक अद्भुत खेल है, जहां आपकी प्रतिष्ठा मायने नहीं रखती, बल्कि आपका वर्तमान प्रदर्शन आपको आगे लेकर जाता है। उन्होंने आगे कहा, कोहली फंस रहे हैं क्योंकि वह जरूरत से ज्यादा समय ले रहे हैं। मेरा मानना है कि उन्हें खुद पर भरोसा करने की जरूरत है और अपनी स्वाभाविक शैली में खेलने की आवश्यकता है। उन्हें किसी को कुछ साबित करने की जरूरत

नहीं है। अगर वह आज संन्यास भी ले लेते हैं, तो भी उनकी गिनती महानतम बल्लेबाजों में होगी। उन्हें बस अपने खेल का आनंद लेने, दिमाग से अतिरिक्त दबाव हटाने और खुलकर बल्लेबाजी करने की जरूरत है। हरभजन की इस सलाह से साफ है कि वह चाहते हैं कि कोहली बिना किसी मानसिक अवरोध के बल्लेबाजी करें और अपने पुराने अंदाज में लौटें। मालूम हो कि भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली पिछले कुछ समय से लेग स्पिनरों के खिलाफ संघर्ष कर रहे हैं। मौजूदा समय में उनकी स्पिन के खिलाफ कमजोरी इस कदर जाहिर हो चुकी है कि विपक्षी टीमें उनके क्रीज पर आते ही स्पिनर को गेंद थमा देती हैं। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के दूसरे मुकाबले में बांग्लादेश के खिलाफ भी यही देखने को मिला, जब वह लेग स्पिनर रिशाद हुसैन की गेंद पर 38 गेंदों में 22 रन बनाकर आउट हो गए। दुबई में खेले गए इस मुकाबले में कोहली ने स्पिन के खिलाफ 10 डॉट गेंदें खेलीं और स्ट्राइक रोटेट करने में असफल रहे। शुभमन गिल के साथ उनकी साझेदारी के दौरान भी यह समस्या देखने को मिली, जिससे कोहली लगातार दबाव में नजर आए।

मुम्बई इंडियंस की नई जर्सी का अनावरण

मुम्बई। अगले माह 22 मार्च से शुरु हो रही आईपीएल 2025 के लिए मुंबई इंडियंस ने अपनी जर्सी का अनावरण किया है। जर्सी के अनावरण समारोह में कप्तान हार्दिक पांड्या, सहित कई खिलाडी नजर आ रहे हैं। हार्दिक ने इस दौरान एक संदेश भी दिया। उन्होंने रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह, सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा के साथ ही मुंबई की गौरवशाली विरासत को बनाए रखने का वादा किया। पांड्या ने कहा, "प्यारे पल्टन, 2025 हमारे लिए विरासत को वहां ले जाने का अवसर है, जहां इसका अधिकार है। नीले और सुनहरे रंग की जर्सी पहनकर हम मुंबई की तरह खेलने के लिए मैदान में उतरेंगे। यह सिर्फ हमारी जर्सी नहीं है। यह आपसे एक वादा है। इस जर्सी में मुंबई इंडियंस के सार का प्रतीक नीला और सुनहरा रंग बनाये रखा गया है। इसमें नीला रंग भरोसे, आत्मविश्वास और टीम

की असीम क्षमता को दिखाता है, जबकि सुनहरा गौरव, उपलब्धि और उत्कृष्टता की निरंतर खोज के बारे में बताता है। यह टीम के निडर क्रिकेट को जारी रखने का वादा भी करता है। अगर आपको यह जर्सी खरीदनी है तो हमारी पलटन की दुकान पर ये मिल सकती है। इसकी कीमत 4,999 रुपये से 2,499 रुपये के बीच है. मुंबई टीम : हार्दिक पंड्या (कप्तान), जसप्रीत बुमराह, सूर्यकुमार यादव, रोहित शर्मा, तिलक वर्मा, ट्रेंट बोल्ट, नमन धीर, रॉबिन मिंज, कर्ण शर्मा, रेयान रिकेल्टन, दीपक चाहर, अल्लाह गजनफर, विल जैक्स, अश्विनी कुमार, मिचेल सेंटनर, रीस टॉपली, कृष्णन श्रीजीत, राज अंगद बावा, सत्यनारायण राजू, बेवॉन जैकब्स, अर्जुन तेंदुलकर।

रांची को आईपीएल मैच नहीं मिलने से प्रशंसकों में निराशा

रांची। अगले माह मार्च में होने वाले आईपीएल के आयोजन स्थलों में रांच को शामिल नहीं किये जाने से यहां के क्रिकेट प्रशंसकों में निराशा छायी हुई है। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह का घर रांची में होने के कारण यहां पर क्रिकेट के प्रति लोगों में जबरदस्त दीवानगी है। इसके बाद भी इस शहर को पिछले 3 साल से एक भी आईपीएल मैच की मेजबानी नहीं मिल है। इसको लेकर आई एक रिपोर्ट के अनुसार रांची को आईपीएल मैच न मिलने की वजह है की झारखंड क्रिकेट बोर्ड (जेएससीए) में अभी ऐसी कोई अधिकारी नहीं, जो बीसीसीआई के सामने पूरे दमदार तरीके से रांची का पक्ष रखे। वहीं इससे पहले जब तक जेएससीए में अमिताभ चौधरी थे तो वह

मजबूती से रांची का पक्ष रखते थे जिससे शहर को मेजबानी मिलती थी। अमिताभ चौधरी बीसीसीआई में भी रहे हैं। उनके समय में रांच के जेएससीए स्टेडियम को एक न एक आईपीएल मैच मिलता ही था। वहीं प्रशंसकों का मानना है कि बीसीसीआई को जेएससीए स्टेडियम का भी ध्यान रखना चाहिये क्योंकि यहां से भी क्रिकेट की कई प्रतिभाएं निकल सकती हैं।

चैम्पियंस ट्रॉफी में भारत में बने बल्लों से खेल रहे कई खिलाड़ी

मेरठ। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी की मेजबान इस बार पाकिस्तान कर रहा है पर भारतीय टीम के मुकाबले दुबई में रखे गये हैं। भारतीय टीम तो पाक नहीं पहुंची है पर भारत के बने बल्ले वहां छाये हुए हैं। भारत में ये बल्ले उत्तर प्रदेश के मेरठ शहर में बने हैं। यहां बने खेली के सामान की मांग दुनिया भर में है। विशेषकर बल्ले की बात करें तो मेरठ के बने बल्ले कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में खिलाड़ियों की पहली पसंद बने हुए हैं। अब आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में भी कई खिलाड़ी भारतीय बल्लों से खेलते दिख रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार भारतीय क्रिकेटरों में हार्दिक पांड्या, विराट कोहली सहित जैसे दिग्गज खिलाड़ी मेरठ के बने बल्लों से ही खेलते हैं। इसके अलावा इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया,

दक्षिण अफ्रीका सहित कई अन्य देशों के खिलाड़ी भी मेरठ के बने बल्लों पर ही भरोसा करते हैं। इसी कारण वे यहां की प्रसिद्ध स्पोर्ट्स कंपनियों से अपनी पसंद के बल्ले खरीदते हैं। कई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी यहा की कंपनियों में आकर अपने पसंदीदा बल्ले तैयार करवाते हैं। वहीं कई बार खिलाड़ी अपने अनुसार बल्ले में फिनिशिंग और बैलेंस चाहते हैं, इसलिए वे अपने सामने बल्ले के आकार और वजन को तय कराते हैं। यहां बल्लों की कीमत 80,000 से लेकर लाखों रुपये तक होती है। यहां के बल्ले विश्व के 60 से ज्यादा देशों को भेजे जाते हैं।

व्यापार

लगातार तीसरे सप्ताह भी शेयर बाजार में गिरावट रही

- सेंसेक्स 424.90 अंक गिरकर 75,310 पर बंद
- निफ्टी 117.25 अंक गिरकर 22,790 पर बंद

मुंबई (ईएमएय)। लगातार तीसरे सप्ताह भी शेयर बाजार में गिरावट का दोर जारी रहा। बाजार के जानकारों ने कहा कि बाजार में गिरावट हैवीवेट वित्तीय और ऑटोमोबाइल शेयरों में कमजोरी के कारण रही। वहीं अमेरिकी टैरिफ से जुड़ी चिंताओं के कारण निवेशकों की धारणा कमजोर बनी हुई है। जानकारों के अनुसार एफआईआई की लगातार बिकवाली, रुपये में गिरावट, महंगे मूल्यांकन और अमेरिका की ओर से टैरिफ लगाने की धमकी जैसे नकारात्मक कारणों से निवेशक भारतीय शेयरों से दूर हो रहे हैं। शेयर बाजार के बीते सप्ताह के पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो हफ्ते के पहले कारोबारी दिन घरेलू शेयर बाजार में बड़ी गिरावट देखी गई। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी धड़ाम हो गए। सेंसेक्स 297.8 अंक गिरकर 75,641.41 अंक पर आ गया, जबकि निफ्टी

119.35 अंक गिरकर 22,809.90 अंक पर खुला और 57.65 अंक चढ़कर 75,996.86 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 119.35 अंक गिरकर 22,809.90 अंक पर खुला और 30.25 अंक बढ़कर 22,959.50 पर बंद हुआ। मंगलवार को शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 201.44 अंक गिरकर 75,795.42 अंक पर खुला और 29.47 अंक गिरकर 75,967.39 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 82.65 अंक गिरकर 22,876.85 अंक पर खुला और 14.20 अंक गिरकर 22,945.30 पर बंद हुआ। बुधवार को सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 386.01 अंक की गिरावट के साथ 75,581.38 अंक पर खुला और 28.21 अंक गिरकर 75,939.18 पर बंद हुआ। निफ्टी 130.45 अंक फिसलकर 22,814.85 अंक पर खुला और निफ्टी 12.40 अंक गिरकर 22,932.90 पर बंद हुआ। गुरुवार को शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 393.01 अंक गिरकर 75,546.17 अंक पर खुला और 203.22 अंक गिरकर 75,735.96 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 118.95 अंक गिरकर 22,813.95 अंक पर खुला और 19.75 अंक प्रतिशत गिरकर 22,913.15 पर बंद हुआ। शुक्रवार को बाजार खुलने के बाद सेंसेक्स 500 अंकों तक फिसल गया, वहीं निफ्टी 22800 के नीचे आ गया। सेंसेक्स 399.75 अंक गिरकर 75,342.16 के स्तर पर खुला और 424.90 अंक गिरकर 75,311.06 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 115.41 फिसलकर 115.41 पर खुला और 117.25 अंक गिरकर 22,795.90 पर बंद हुआ।

जापान, भारत का पांचवां सबसे बड़ा निवेशक, किया 43 अरब डॉलर से ज्यादा का निवेश : पीयूष गोयल

नई दिल्ली । जापान, भारत का एक मुख्य साझेदार है और जापान की ओर से 2000 से लेकर 2024 के बीच 43 अरब डॉलर से अधिक का निवेश किया गया है, जो इसे भारत का पांचवां सबसे बड़ा विदेशी निवेशक बनाता है। यह बयान केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को दिया। गोयल ने आगे कहा कि भारत-जापान की साझेदारी भाईचारे, लोकतंत्र, संस्कृति और आर्थिक सहयोग पर आधारित है, जो सुशी और मसालों के अनूठे मिश्रण को दर्शाती है, जो विशिष्ट होते हुए भी एक-दूसरे के पूरक हैं। भारत-जापान इकोनॉमी एंड इन्वेस्टमेंट फोरम को संबोधित करते हुए, केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जापान के 'सात भाग्यशाली देवताओं' की उत्पत्ति भारतीय परंपरा में हुई है, जो दोनों देशों के बीच गहरे सांस्कृतिक संबंधों को दर्शाता है। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि 2011 में हुए

कॉम्प्रिहेंसिव इकोनॉमिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट (सीईपीए) ने दोनों के द्विपक्षीय व्यापार को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। करीब 1,400 से अधिक जापानी कंपनियां भारत में ऑपरेट कर रही हैं और आठ राज्यों में 11 इंडस्ट्रीयल टाउनशिप जापानी एंटरप्राइजेज की मेजबानी कर रही हैं। उन्होंने आगे बताया कि मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल और दिल्ली, अहमदाबाद, बेंगलुरु और चेन्नई के मेट्रो सिस्टम में जापान पार्टनर है जो भारत के विकास में जापान की अहम भूमिका को दिखाता है। भारत और जापान दोनों मिलकर वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी ब्रांड्स बना रहे हैं। मारुति सुजुकी इसका सबसे अच्छा उदाहरण है, जो कि जापान सहित कई देशों को वाहनों का निर्यात कर रहा है। गोयल ने कहा कि सरकार का उद्देश्य जीडीपी में मैन्युफैक्चरिंग की हिस्सेदारी बढ़ाकर 25 प्रतिशत करना है और इस लक्ष्य को हासिल करने में जापान एक अहम साझेदार होने वाला है।

एनएसओ इंडिया ने 'भारत में डेटासेट और रजिस्ट्री का संग्रह, 2024' जारी किया

नई दिल्ली । केंद्रीय सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) ने भारत में डेटासेट और रजिस्ट्री का संग्रह, 2024 का नवीनतम संस्करण प्रकाशित किया है। यह डेटा की पहुंच को मजबूत करने के उद्देश्य से एक प्रमुख पहल है। राष्ट्रीय सांख्यिकी प्रणाली के चल रहे आधुनिकीकरण के हिस्से के रूप में यह संग्रह सुनिश्चित करता है कि नीति निर्माताओं, शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों, छात्रों, विश्लेषकों, व्यवसायों और आम जनता के लिए सरकारी डेटा आसानी से सुलभ हो। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के अनुसार यह व्यापक संसाधन भारत सरकार के 40 मंत्रालयों और विभागों से प्राप्त लगभग 270 डेटासेट और रजिस्ट्री के मेटाडेटा को समेकित करता है, जिसमें कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, श्रम, ग्रामीण विकास, पर्यटन, सामाजिक न्याय, बैंकिंग और अन्य जैसे क्षेत्र

Government of India
Ministry of Statistics and Programme Implementation

शामिल हैं। वन-स्टॉप संदर्भ के रूप में कार्य करके यह संकलन उपयोगकर्ताओं को सरकारी डेटासेट की उपलब्धता, दायरे और पहुंच को आसानी से तलाशने में सक्षम बनाता है। इसमें मानकीकृत मेटाडेटा, डेटा संग्रह पद्धतियों, अद्यतनों की आवधिकता और मंत्रालयों में डेटा-साझाकरण नीतियों का विवरण शामिल है। इसके अतिरिक्त यह प्रत्येक डेटासेट के संग्रह और प्रसार को नियंत्रित करने वाले कानूनी और नियामक ढांचे की रूपरेखा तैयार करता है जबकि गहन विश्लेषण और साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण का समर्थन करने के लिए विघटन के स्तर पर अंतर्दृष्टि प्रदान करता है। उपयोगकर्ता संबंधित मंत्रालय या विभाग पोर्टल के लिंक के माध्यम से डेटा स्रोतों तक सीधी पहुंच से भी लाभ उठा सकते हैं, जिससे निर्बाध पहुंच सुनिश्चित होती है। विश्वसनीय और सुव्यवस्थित सरकारी डेटा की बढ़ती आवश्यकता को पहचानते हुए यह पहल राष्ट्रीय सांख्यिकी प्रणाली को आधुनिक बनाने और सुव्यवस्थित करने के लिए सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के व्यापक प्रयासों के साथ संरेखित है। महत्वपूर्ण जानकारी को एक स्थान पर समेकित करके, संकलन डेटा-संचालित शासन को आगे बढ़ाने, अनुसंधान को बढ़ावा देने और साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। एक गतिशील दस्तावेज के रूप में तैयार किए गए भारत में डेटासेट और रजिस्ट्री के संग्रह को समय-समय पर नए डेटासेट, विकसित पद्धतियों और संशोधित नीतियों को शामिल करने के लिए अद्यतन किया जाता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि हितधारकों को हमेशा सबसे वर्तमान और प्रासंगिक जानकारी तक पहुंच प्राप्त हो। यह संग्रह मंत्रालय की आधिकारिक वेबसाइट- www.mospi.gov.in पर उपलब्ध है।

केंद्र ने कोचिंग सेंटरों पर कसी नकेल, छात्रों को 1.56 करोड़ रिफंड दिलाया

नई दिल्ली । केंद्र सरकार के उपभोक्ता मामलों के विभाग (डीओसीए) ने शिक्षा क्षेत्र में 600 से अधिक उम्मीदवारों और छात्रों के लिए 1.56 करोड़ की राशि का रिफंड सफलतापूर्वक प्राप्त किया है। सिविल सेवा, इंजीनियरिंग कोर्स और अन्य कार्यक्रमों के लिए कोचिंग सेंटरों में नामांकित इन छात्रों को पहले कोचिंग संस्थानों द्वारा निर्धारित नियमों और शर्तों का पालन करने के बावजूद उचित रिफंड से वंचित किया गया था। केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के अनुसार यह राहत छात्रों द्वारा राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन (एनसीएच) के माध्यम से दर्ज की गई शिकायतों के माध्यम से संभव हुई, जिसने विवाद समाधान के लिए एक सुव्यवस्थित प्रक्रिया की सुविधा प्रदान की। विभाग द्वारा की गई त्वरित कार्रवाई ने छात्रों को अधूरी सेवाओं, देरी से कक्षाओं या रद्द किए गए पाठ्यक्रमों के लिए मुआवजा प्राप्त करने में मदद की है।

अपने निर्णायक निर्देश में उपभोक्ता मामलों के विभाग ने सभी कोचिंग सेंटरों को छात्र-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाने का निर्देश दिया है, जिसमें छात्रों के वित्तीय हितों की रक्षा के लिए स्पष्ट, पारदर्शी रिफंड नीतियों को अनिवार्य किया गया है। विभाग ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि वैध रिफंड दावों को अस्वीकार करने की अन्यायपूर्ण प्रथा को अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, शैक्षिक संस्थानों से उपभोक्ता अधिकारों को बनाए रखने का आग्रह किया है। उपभोक्ता मामलों के विभाग ने अपने सक्रिय प्रयासों के माध्यम से शिकायत निवारण तंत्र को मजबूत करने और छात्रों को उनके उपभोक्ता अधिकारों के बारे में शिक्षित करने, अनुचित व्यवहार के मामले में कार्रवाई करने के लिए उन्हें सशक्त बनाने के लिए भी प्रतिबद्धता जताई है। राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन छात्रों और न्याय की तलाश में उम्मीदवारों को सशक्त बनाने में एक महत्वपूर्ण संसाधन साबित हुई है। इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से व्यक्ति बिना किसी लंबी कानूनी लड़ाई के मुद्दों को हल करने में सक्षम थे, जिससे समय और ऊर्जा की बचत हुई और साथ ही निष्पक्ष परिणाम सुनिश्चित हुए। मुकदमेबाजी से पहले की अवस्था में शिकायतों का समाधान करके एनसीएच ने विवादों को बढ़ने से रोकने में मदद की है और औपचारिक कानूनी कार्यवाही के लिए एक प्रभावी और सुलभ विकल्प प्रदान किया है। यह सेवा विशेष रूप से छात्रों के लिए फायदेमंद साबित हुई है, जिनके पास अब अपने हितों की रक्षा करने के लिए एक भरोसेमंद रास्ता है। इस पहल के हिस्से के रूप में डीओसीए छात्र अधिकारों की वकालत करना जारी रखता है और समान मुद्दों का सामना करने वाले सभी छात्रों को त्वरित समाधान के लिए राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन प्लेटफॉर्म का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करता है। विभाग कोचिंग सेंटरों से पारदर्शिता, जवाबदेही और छात्र-अनुकूल दृष्टिकोण सुनिश्चित करने के लिए निर्धारित दिशानिर्देशों का पालन करने का भी आग्रह करता है।

रेजिना कैसांद्रा पंजाबी लड़की बनाम दक्षिण लड़की की भूमिका निभाएंगी

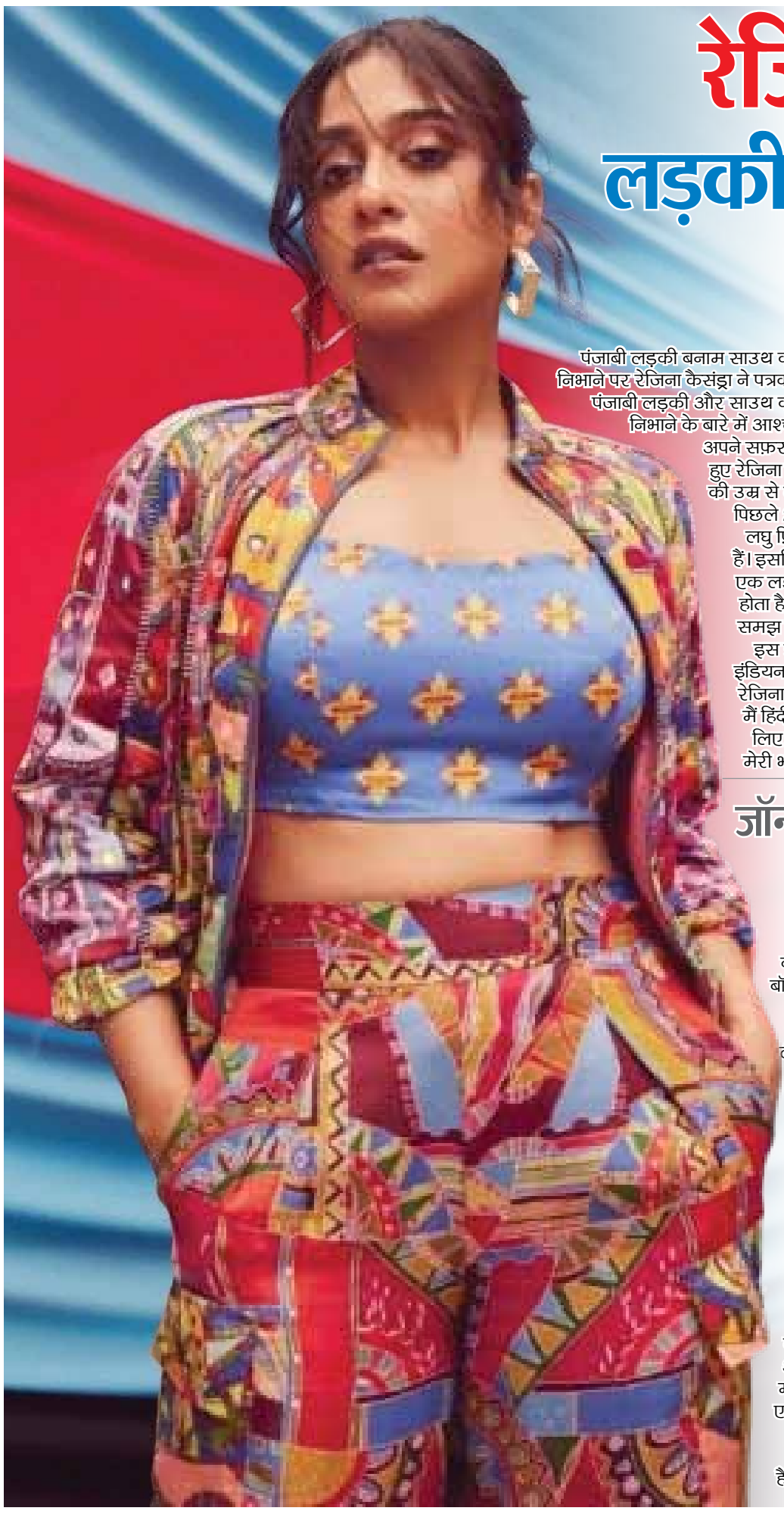

पंजाबी लड़की बनाम साउथ की लड़की की भूमिका निभाने पर रेजिना कैसंड्रा ने पत्रकारों से बात करते हुए पंजाबी लड़की और साउथ की लड़की की भूमिका निभाने के बारे में आश्चर्यजनक बातें बताईं। अपने सफ़र के बारे में बात करते हुए रेजिना ने कहा कि मैं 9 साल की उम्र से काम कर रही हूँ। मैंने पिछले 25 सालों में विज्ञापन, लघु फ़िल्में और फ़िल्में की हैं। इसलिए मैं इस इंडस्ट्री में एक लड़की होने के नाते क्या होता है, इसकी एक निश्चित समझ के साथ आई थी और इस इंडस्ट्री में एक साउथ इंडियन होना आसान नहीं है। रेजिना ने आगे कहा कि जब मैं हिंदी में किसी भी चीज के लिए ऑडिशन देती हूं तो वे मेरी भाषा कौशल को देखते हैं। क्या यह लड़की हिंदी बोल सकती है? जब वह बोलती है तो उसकी आवाज़ कैसी लगती है? क्या वह अपनी हिंदी पर काम कर रही है? यह बहुत ज़रूरी है। अगर मैं दक्षिण भारतीय की भूमिका निभा रही हूं तो वे उस उच्चारण को थोड़ा रहने देते हैं। लेकिन मैंने हिंदी बोलते समय अपने दक्षिण भारतीय उच्चारण को कम करने की कोशिश की। लेकिन जब बात दक्षिण की आती है तो वहां बहुत सी उत्तर भारतीय लड़कियां हैं जो दक्षिण में हीरोइन बन गई हैं और उन्होंने तमिल या तेलुगु से शुरुआत की और आगे चलकर बड़ी नाम बन गईं। हमें इस बात की परवाह नहीं थी कि लड़कियां तमिल बोल सकती हैं या नहीं। रेजिना ने ऑफर मिस करने के बारे में बताया कि मैंने बहुत सारे रोल मिस कर दिए हैं क्योंकि मेरी हिंदी उतनी अच्छी नहीं थी जितनी लोगों को लग रही थी। जैसे मैं पंजाबी लड़की का किरदार नहीं निभा सकती। और यह ठीक है। लेकिन एक पंजाबी लड़की एक साउथ इंडियन लड़की का किरदार निभा सकती है। और ऐसा मेरे साथ हुआ है। कल्पना कीजिए कि दक्षिण में कोई और व्यक्ति मेरे ऊपर चुना जाता है और उत्तर में भी वही व्यक्ति मेरे ऊपर चुना जाता है। मैं कहां जाऊं?

जॉन अब्राहम की द डिप्लोमैट का पहला गाना भारत जारी, मनोज मुंतशिर ने लिखे हैं बोल

जॉन अब्राहम पिछली बार फिल्म वेदा में नजर आए थे, जिसमें उनके काम को खूब सराहा गया, लेकिन यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी। काफी समय से जॉन अपनी आगामी फिल्म द डिप्लोमैट को लेकर चर्चा में बने हुए हैं, जिसके निर्देशन की कमान शिवम नायर ने संभाली है। यह फिल्म 7 मार्च, 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है। अब इससे पहले निर्माताओं ने द डिप्लोमैट का पहला गाना भारत जारी कर दिया है। भारत गाने को हरिहरन ने अपनी आवाज दी है, जबकि इसके बोल मनोज मुंतशिर ने लिखे हैं। इस गाने को एआर रहमान ने कंपोज किया है। फिल्म में सादिया खतीब, रेवती, कुमुद मिश्रा और शारिब हाशमी जैसे कलाकार भी हैं। द डिप्लोमैट एक भारतीय राजनयिक के पाकिस्तान से भारतीय लड़की को वापस लाने के प्रयासों की सच्ची कहानी पर आधारित है। इस फिल्म में जॉन इस्लामाबाद में भारत के पूर्व उप उच्चायुक्त जेपी सिंह की भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म के बारे में बात करते हुए जॉन ने कहा, कूटनीति

एक युद्ध का मैदान है, जहां शब्दों का वजन हथियारों से ज्यादा होता है। जेपी सिंह की भूमिका निभाने से मुझे एक ऐसी दुनिया का पता लगाने का मौका मिला जहां शक्ति को बुद्धि, लचीलापन और शांत वीरता से परिभाषित किया जाता है। उजमा की कहानी भारत की ताकत और साहस का प्रमाण है और मुझे इस प्रेरक यात्रा को स्क्रीन पर जीवंत करने पर गर्व है।

छावा बॉक्स ऑफिस कलेक्शन डे 6: 200 करोड़ का आंकड़ा पार, बनी 2025 की पहली डबल सेंचुरी लगाने वाली फिल्म

विक्की कौशल, रश्मिका मंदाना और अक्षय खन्ना की हिस्टोरिकल एक्शन ड्रामा छावा ने छत्रपति शिवाजी जयंती पर एक नया रिकॉर्ड दर्ज किया है. छावा अब आधिकारिक तौर पर 200 करोड़ क्लब में शामिल हो गई है. यह 2025 की पहली और सबसे तेज 200 करोड़ रुपये का आंकड़ा करने वाली फिल्म बन गई है. 19 फरवरी को छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती के अवसर पर महाराष्ट्र में पूरे दिन दर्शकों की संख्या में जबरदस्त वृद्धि देखी गई. सैकनिल्क की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, लक्ष्मण उटेकर की निर्देशित फिल्म छावा ने 6वें दिन 32 करोड़ रुपये की कमाई की. फिल्म की पिछले दिन की कमाई 25.75 करोड़ से 26.73 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई. छावा ने न केवल 30 करोड़ का आंकड़ा पार किया, बल्कि यह 2025 की पहली और सबसे तेज 200 करोड़ का आंकड़ा पार करने वाली फिल्म भी बन गई है. छावा ने यह कारनामा मात्र 6 दिनों में कर के दिखाया है. इस तरह छावा ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर सिर्फ 6 दिनों में 203.68 करोड़ रुपये टोटल कलेक्शन किया है. बुधवार को बड़ी छलांग के साथ, विक्की कौशल की पीरियड ड्रामा ने 200 करोड़ क्लब में प्रवेश किया और अक्षय कुमार की तीन फिल्मों के लाइफटाइम कलेक्शन को पीछे छोड़ दिया. इसने 2.0 हिंदी (188 करोड़ रुपये), सूर्यवंशी (195.04 करोड़ रुपये), मिशन मंगल (200.16 करोड़ रुपये), गुड न्यूज (201.14 करोड़ रुपये) को पीछे छोड़ दिया है. इसके अलावा छावा ने रणबीर कपूर की संजू, जिसने 7 दिनों में 202.51 करोड़ रुपये कमाए, को भी पीछे छोड़ दिया है. छावा को सम्मान देने के लिए मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने राज्य में विक्की कौशल स्टारर फिल्म को टैक्स-फ्री कर दिया है. उन्होंने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर इस फैसले की जानकारी दी है और लिखा है, छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती के अवसर पर, मैं उनके बेटे संभाजी महाराज पर आधारित हिंदी फिल्म छावा को टैक्स-फ्री रिलीज करने की घोषणा करता हूं. छावा 14 फरवरी को रिलीज हुई. छावा छत्रपति शिवाजी महाराज के पुत्र संभाजी की कहानी है. फिल्म में विक्की कौशल ने छत्रपति संभाजी महाराज की भूमिका निभाई है. रश्मिका मंदाना संभाजी की पत्नी येसुबाई की भूमिका में हैं, जबकि अक्षय खन्ना औरंगजेब की भूमिका में हैं. विनीत कुमार सिंह, दिव्या दत्ता और डायना पेंटी ने फिल्म में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है.

शादी के बंधन में बंधे आदर जैन और आलेखा आडवाणी

अभिनेता आदर जैन ने हाल ही में मुंबई में शादी कर ली है। आदर ने अपनी गर्लफ्रेंड अलेखा आडवाणी से शादी की है। दोनों ने गोवा में क्रिस्चियन वेडिंग की थी। अब कपल ने मुंबई में पारंपरिक रीति-रिवाज से शादी की है। आदर और अलेखा की शादी में कपूर परिवार और अंबानी परिवार मौजूद था और रिसेप्शन में कई बॉलीवुड हस्तियां भी शामिल हुईं। आदर जैन रणबीर कपूर, करीना कपूर और करिश्मा कपूर के चाचा हैं। मेहंदी और हल्दी की रस्म के बाद आदर-अलेखा की शादी की रस्म बड़ी धूमधाम से हुई। उनकी शादी

की कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। अलेखा ने शादी के लिए खास लाल लहंगा चुना था, जिस पर सुनहरी कढ़ाई थी। चमकदार मेकअप में अलेखा बहुत खूबसूरत लग रही थीं। तो, आदर ने ऑफ-व्हाइट शेरवानी पहन रखी थी। शादी के बाद दोनों ने पैपराज़ी के लिए पोज़ भी दिए। आदर और अलेखा की शादी में करीना कपूर, सैफ अली खान, करिश्मा कपूर, नीतू कपूर, रणबीर और आलिया, रिद्धिमा कपूर, उनके पति, बेटी समायरा, श्वेता बच्चन के पति निखिल नंदा और उनके बेटे अगस्त्य नंदा, अनिल अंबानी और टीना अंबानी, आकाश अंबानी और श्लोका मेहता शामिल हुए। रिसेप्शन में रेखा, अनन्या पांडे और कई अन्य हस्तियां शामिल हुईं । आदर जैन ने 'कैदी बैंड', 'मोगुल' और 'हैलो चार्ली' जैसी बॉलीवुड फिल्मों में काम किया है। आदर 2020 से 2023 तक अभिनेत्री तारा सुतारिया के साथ रिलेशनशिप में थे। उस समय अलेखा आडवाणी आदर और तारा की बहुत अच्छी दोस्त थीं। तारा और आदर का तीन साल बाद ब्रेकअप हो गया और आदर ने अलेखा को प्रपोज कर दिया। अलेखा राजी हो गई और अब दोनों का विवाह हो गया है।

शमा सिकंदर ने हॉटनेस से सोशल मीडिया पर बरपाया कहर, एक्ट्रेस की अदाओं पर दिल हार गए फैंस

टीवी एक्ट्रेस शमा सिकंदर आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर करती रहती हैं। उनका बोल्ड और कातिलाना अंदाज इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस शमा सिकंदर ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर और हॉट लुक देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं। एक्ट्रेस शमा सिकंदर हमेशा अपने लुक्स से इंटरनेट पर कहर बरपाती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें

इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थकते हैं। शमा सिकंदर की लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरों में आप देख सकते हैं उन्होंने व्हाइट कलर का फर लुक में स्वेटर पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक स्टनिंग अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस शमा सिकंदर ने अपने इस आउटलुक को कंप्लीट करने के लिए कानों में इयररिंग्स, खुले बाल और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। शमा सिकंदर की इन फोटोज पर एक यूजर ने कॉमेंट करते हुए लिखा है- टू मट हॉट। दूसरे यूजर ने लिखा है- बोल्ड एंड ब्यूटिफुल। तीसरे यूजर ने लिखा है- हॉट एंड सेक्सी। बता दें कि शमा सिकंदर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है। उनका हर एक अंदाज इंस्टाग्राम पर आते ही बवाल मचाने लगता है।

Former RBI Governor Shaktikanta Das appointed Principal Secretary to PM

Agency: The government on Saturday appointed former RBI Governor Shaktikanta Das as the Principal Secretary-2 to Prime Minister Narendra Modi. In an order, the Appointments Committee of the Cabinet said the 67-year-old's appointment, which came after he retired as RBI Governor in December last year, will be effective from the day he assumes office. The duration of Das's tenure will be co-terminus with that of the Prime Minister or until further orders, according to the order. Former IAS officer PK Mishra has been serving as the first Principal Secretary to the Prime Minister since September 11, 2019. Das will now be the second Principal Secretary to the Prime Minister.

Born on February 26, 1957, in Bhubaneswar, Das completed his Bachelor's and Master's in history from Delhi's St Stephen's College. A former IAS officer of the 1980-batch Tamil Nadu cadre, he served in various roles in the Tamil Nadu and central governments. Das took over as the 25th RBI Governor in December 2018, during a challenging time marked by economic and financial sector pressures. His leadership is widely recognised for bringing stability and steering India's economy

through turbulent periods, including the Covid-19 pandemic, geopolitical tensions and high inflation. He retired in December last year and was succeeded by Sanjay Malhotra, a former IAS officer of the 1990-batch Rajasthan cadre, who served as secretary (revenue) in the Finance Ministry. In 2021, Das was awarded a Doctor of Letters (D Litt) by the Utkal University for his contributions to public administration.

Funds for reviving Uttarakhand forests used to buy iPhones, laptops: Audit report

Agency: A Comptroller and Auditor General (CAG) report has revealed that funds allocated for compensatory afforestation in Uttarakhand were used for unauthorised expenses such as buying iPhones, laptops, refrigerators and legal fees. The report, presented during the Budget session, revealed that for the 2019-2022 period, Rs 13.86 crore of Compensatory Afforestation Fund Management and Planning Authority (CAMPA) funds were diverted for purposes unrelated to afforestation. The CAG report mentioned that the funds were misused at the divisional level for tiger safari projects, legal fees, personal travel, and the purchase of iPhones, laptops, refrigerators, and office supplies. It also mentioned that Rs 56.97 lakh was redirected to the Japan International Cooperation Agency (JICA) project for tax payments, Rs 13.51 lakh was spent on solar fencing at Almora's forest office, and Rs 6.54 lakh meant for awareness campaigns were used to set up an office for the Chief Conservator of Forest (CCF), Vigilance, and Legal Cell.

The CAMPA funds are used to ensure that forest land being used for non-forest purposes, like setting up an industry or infrastructure projects, is accompanied by afforestation on an equal area of land. The report also flagged violations related to the unauthorised use of forest land, contradicting Forest Conservation (FC) guidelines. In 37 cases, implementation of afforestation efforts started eight years after approval, resulting in a cost hike of Rs 11.5 crore, the CAG report said. Also, in 52 cases, projects started without clearances from the Centre. Moreover, around 188.62 hectares of forest land were used for non-forest purposes. Among the notable findings of the report was that the survival rate of planted trees was only 33.5%, well below the stipulated 60-65% mark. Among the reasons cited by the report were the setting up of plantations on rocky slopes and lack of protective measures, leading to damage by livestock and human activity. This report presents details of inadmissible expenditure across various divisions over three financial years (2019-20, 2020-21, and 2021-22). The 2020-21 financial year saw the highest inadmissible expenditure, totalling Rs 7.96 crore, which is much higher than the other two years. The 2021-22 expenditure dropped significantly to Rs 3.58 crore, indicating possible efforts to control such expenses. Some divisions (eg Kalagarh Tiger Reserve, Tons Purola, Narendra Nagar) made inadmissible spending in one or two years but zero in others. Gangotri National Park had a significant one-time expenditure of Rs 20,99,990 in 2020-21

Indian anthem played in Lahore before Australia vs England in organisers' blunder

Agency:The Indian national anthem was mistakenly played in Lahore instead of the Australian national anthem ahead of the Champions Trophy match between Australia and England on Saturday, February 22. The Australian players and the crowd at the Gaddafi Stadium were taken by surprise before the organisers realised the blunder and stopped the Indian national anthem. Order was restored when Advance Australia Fair was eventually played at the iconic venue in Lahore, which has received a facelift for the Champions Trophy. The organisers' blunder was bizarre as India are not scheduled to play any of their Champions Trophy games in Lahore. India refused to travel to Pakistan for the eight-team tournament following which a hybrid model was adopted. India will play all their matches in Dubai. Before every cricket match in events hosted by the International Cricket Council (ICC), the national anthems of the two competing teams are played. The ceremony takes place after the toss where the two teams have an opportunity to shake hands and warm up for the contest.

This is not the first time the ICC has come under fire for organisational blunders during the Champions Trophy.

Before the tournament began, questions arose over why the Indian flag was not hoisted at Karachi's National Stadium while the flags of all other competing teams were in place. The Pakistan Cricket Board (PCB) was questioned over the issue, prompting a clarification. Meanwhile, the PCB was reportedly displeased by the omission of "Pakistan" from the Champions Trophy broadcast band during India's match against Bangladesh. While all other games featured the complete branding-"Champions Trophy 2025 Pakistan"-the India vs Bangladesh game only displayed "Champions Trophy 2025."

The PCB wrote to the ICC, demanding an explanation. In response, the global cricket body cited a technical glitch from the broadcaster's end, according to ESPNCricinfo. The report stated that the graphics for the live feed were prepared and provided by UK-based production company Sunset & Vine under the ICC's supervision. The ICC assured Pakistan that such a glitch would not occur again in the upcoming matches. The England vs Australia game subsequently featured the full broadcast band, as seen in visuals from Indian broadcasters. Even before the tournament began, the ICC faced scrutiny as the schedule announcement was delayed due to India's refusal to travel to Pakistan. Pakistan initially resisted the idea of a hybrid model, leading to further uncertainty.

However, after Jay Shah took over as the ICC chief in December 2024, the issue was resolved, with all three parties-the BCCI, PCB, and ICC-agreeing to the hybrid model for the Champions Trophy. The same model will also be used for upcoming ICC events in India, including the Women's ODI World Cup in 2025 and the Men's T20 World Cup in 2026.

Washington Post counters Trump's India funding claim, Congress gets fresh ammo

Agency: Countering Donald Trump's charge that $21 million was given to India for "voter turnout", the Washington Post reported that there was no record of any program as stated by the US President, giving the Congress fresh ammo to target the BJP. The American daily, in its report titled 'How a false DOGE claim ignited a political firestorm in India', however, said the USAID had a $21 million contract for Bangladesh, citing officials of the organisation. The Washington Post report backs a similar article by the Indian Express, which claimed that India has received no funding from USAID for any poll-related project since 2008. The Express article has been at the centre of a political feud between the BJP and the Congress. Latching on to the Washington Post report, Congress spokesperson Pawan Khera said the "BJP and its blind supporters" would have to eat their words following the expose. The BJP has accused Congress MP Rahul Gandhi of seeking foreign help to defeat Prime Minister Narendra Modi.

"In this latest expose on the so-called US funding to increase voter turnout in India, The Washington Post discovers that no such program existed and no such funding came in. For the BJP and its blind supporters, crow is part of their daily diet plan. Who else will eat crow following this comedy of errors?" Khera tweeted. The controversy erupted after the Elon Musk-led DOGE claimed that it had cancelled a $21 million grant to India to boost "voter turnout". The $21 million grant to India was part of a $486 million payment to the Consortium for Elections and Political

Process Strengthening (CEPPS) -- a USAID-funded consortium of non-profits. The Washington Post report, quoting three people familiar with the US aid initiatives, said there was no program matching DOGE's description in India. "We were all shocked to see that claim from DOGE. We don't know anything about elections in India because we have never been involved," an official said. Another US official said the Musk-led department seemed to be "conflating numbers" from other programs. Fanning the flames, Trump, earlier this week, indicated that the funds might have been used to interfere in the 2024 Lok Sabha elections. "Why do we need to spend USD 21 million for voter turnout in India? I guess they (the Biden administration) were trying to get somebody else elected. We have got to tell the Indian government," the US President said. He has gone to repeat the $21 million funding charge several times since, without providing any evidence.

For 20 months, Punjab minister headed dept that never existed

Agency: It took the Punjab Government nearly 20 months to realise that a department assigned to one of its prominent ministers never actually existed. In a notification issued today, the Punjab Government acknowledged that the Department of Administrative Reforms, allocated to Minister Kuldeep Singh Dhaliwal, was "non-existent". As a result, Dhaliwal will now hold the charge of only the NRI Affairs Department. The revised notification shows the change in Kuldeep Dhaliwal's berths.

The gazette notification states that the "Punjab Governor, on the advice of the Chief Minister, is pleased to make an amendment to the earlier notification regarding the portfolios of ministers with effect from February 7, 2025".

Dhaliwal initially also held the Agriculture and Farmers Welfare portfolio, a charge he was relieved of during the Cabinet reshuffle in May 2023. He retained the NRI Affairs Ministry, while also being allocated the Administrative Reforms Department. In the September 2024 Cabinet rejig, he again retained the two departments, of which the Administrative Reforms has now been found non-existent.

Sector 53 housing scheme may be back on track

Agency: The Chandigarh Housing Board (CHB) has decided to conduct a demand survey for a self-financing housing scheme in Sector 53 here. The survey will be held from February 22 to March 3. According to officials, the demand survey will be conducted for allotment of flats without any commitment. The CHB will launch the scheme only after receiving adequate response from interested eligible persons and after obtaining requisite approvals.

If launched, the scheme will have 192 HIG units, 100 MIG units and 80 units for economically weaker sections (EWS). The applicants will be required to deposit an amount of Rs 10,000 each for HIG and MIG units and Rs 5,000 for EWS unit as confirmation of interest in the scheme.

The amount will be adjusted in the earnest money deposit (EMD) at the time of launching of the scheme. In case the applicant on the launch of the scheme decides not to participate further, the entire deposited amount will be forfeited. During a meeting held recently, officials made a presentation for the revival of the scheme before UT Chief Secretary Rajeev Verma, who is also the CHB chairman.

Chinese researchers find new bat coronavirus that could infect humans via same route as Covid-19

Agency: A Chinese team of virologists have found a new bat coronavirus that carries the risk of animal-to-human transmission because it uses the same human receptor as the virus that causes Covid-19, a media report said. The study was led by Shi Zhengli, Chinese virologist from the controversial Wuhan Institute of Virology (WIV), where the COVID-19 was alleged to have emanated from. Shi, who is known as the Bat Woman for her research on viruses from the Bats, as well as the Chinese government deny that the virus was leaked from the Wuhan lab. The latest discovery is a new lineage of the HKU5 coronavirus first identified in the Japanese pipistrelle bat in Hong Kong. The new virus comes from the merbecovirus subgenus, which also includes the virus that causes Middle East respiratory syndrome (Mers), the Hong Kong based South China Morning Post reported. The virus is able to bind to the human angiotensin converting enzyme (ACE2), the same receptor used by the Sars-CoV-2 virus, which causes Covid-19, to infect cells. "We report the discovery and isolation of a distinct lineage (lineage 2) of HKU5-CoV, which can utilise not only bat ACE2 but also human ACE2 and various mammalian ACE2 orthologs ," the team of virologists headed by Shi wrote in a paper published in the peer-reviewed journal Cell on Tuesday, according to the Post report. The researchers found that when the virus was isolated from bat samples it could infect human cells as well as artificially grown masses of cell or tissue that resembled miniaturised respiratory or intestinal organs.

At least 8 workers feared trapped after roof of tunnel in Telangana collapses

Agency: At least eight workers are feared trapped after the roof of a tunnel in Telangana's Nagarkurnool district collapsed on Saturday. Rescue operations were currently underway, with Chief Minister Revanth Reddy directing relevant authorities to reach the spot immediately. The accident occurred due to the slippage of a concrete segment that was used to seal seepage at the 14-km inlet of the Srisailam Left Bank Canal tunnel, which runs from Srisailam towards Devarakonda. Rescue operations are currently underway, with Chief Minister Revanth Reddy directing officials to expedite necessary rescue measures and ensure the safe evacuation of the trapped workers. In a statement, the Chief Minister's Office said that "some people were injured in the incident", adding that Revanth Reddy had ordered the District Collector, Superintendent of Police, and personnel from the fire department and Hyderabad Disaster Response and Assets Protection Agency (HYDRAA) to take up relief measures immediately". While there was no official information on how many workers were inside the tunnel at the time of the accident, a police official told news agency PTI that there were at least six to eight people trapped.

"The incident occurred when some workers had gone inside as part of the work when roof collapsed at 12-13 km inside the tunnel," the official was quoted as saying. The state's Irrigation Minister Uttam Kumar Reddy, Irrigation Advisor Aditya

Nath Das, IG Sathyanarayana and DG Fire Services GV Narayan Rao are overseeing relief operations at the spot. Uttam Kumar Reddy expressed deep concern over the incident, calling it unfortunate. He stated that rescue efforts are in full swing to safely retrieve the eight individuals trapped inside. Rescue teams have already been deployed, and additional support from the Indian Army is expected to reach the accident site by tonight. Furthermore, the rescue team that participated in a similar incident in Uttarakhand is being brought in to aid the operation. The National Disaster Response Force (NDRF) and the State Disaster Response Force (SDRF) teams are also being deployed to assist in the rescue efforts. Among those trapped inside are the project engineer, site engineer, and six workers, sources told. Officials have been directed to maintain real-time communication with the Chief Minister and update him on the progress of the operations.